INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
Email: info@unicomadvertising.com
www.unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

# यूनिक समय

डीएवीपी (केन्द्र सरकार) द्वारा मान्यता प्राप्त- 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
www.uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-215 | सांध्य दैनिक | मथुरा, मंगलवार, 29 सितंबर 2026 | पेज- 12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

**विश्व हृदय दिवस पर विशेष**

### धड़कनों की सुनिए, दिल की देखभाल कीजिए

# हर धड़कन को मिले जिंदगी की नई उम्मीद

## सेहतमंद दिल को रोज अपनाएं यह पांच आदतें

**यूनिक समय, मथुरा।** दिल को स्वस्थ रखने के लिए महंगी दवाओं से ज्यादा जरूरी प्रतिदिन की अच्छी आदतें हैं। डा. एबी अग्रवाल के अनुसार, रोज कम से कम 30 मिनट तेज चाल से पैदल चलना या दौड़ना हृदय को स्वस्थ रखने में मदद कर सकता है। भोजन में सब्जियों और फलों की मात्रा बढ़ाएं। नियमित व्यायाम के साथ सप्ताह में कम से कम एक घंटे वजन उठाने वाली कसरत को भी दिनचर्या में शामिल किया जा सकता है।

ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल और ब्लड शुगर की समय-समय पर जांच कराते रहें, ताकि हृदय संबंधी जोखिमों का शुरुआती स्तर पर पता लगाया जा सके। इसके अलावा पर्याप्त नींद भी जरूरी है। रोज सात से नौ घंटे की नींद हृदय और संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद मानी जाती है।

## उम्र बढ़ने के साथ बदलती है दिल की कार्यक्षमता

**यूनिक समय, मथुरा।** हर धड़कन जिंदगी की उम्मीद है, इसे संभालना हमारी जिम्मेदारी है। भागदौड़ भरी जिंदगी, बढ़ता तनाव, अनियमित खानपान, शारीरिक गतिविधियों की कमी और नींद की अनदेखी धीरे-धीरे दिल की सेहत पर असर डाल रही है। ऐसे समय में विश्व हृदय दिवस केवल जागरूकता का अवसर नहीं, बल्कि अपनी जीवनशैली को बदलने का संदेश भी देता है। स्वस्थ हृदय के लिए महंगी दवाओं से पहले जरूरी है कि हम अपनी दिनचर्या में छोटे लेकिन प्रभावी बदलाव करें। रोज कुछ समय पैदल चलना, संतुलित भोजन लेना, धूम्रपान से दूरी बनाना, पर्याप्त नींद लेना और तनाव को नियंत्रित रखना दिल को स्वस्थ रखने में मददगार हो सकता है। खास बात यह है कि हृदय की बीमारी केवल बुजुर्गों की समस्या नहीं रही, युवा भी इसकी चपेट में आ रहे हैं। इसलिए आज से ही अपने दिल की सुनिए, क्योंकि दिल स्वस्थ रहेगा तो जिंदगी की हर खुशी धड़कती रहेगी।

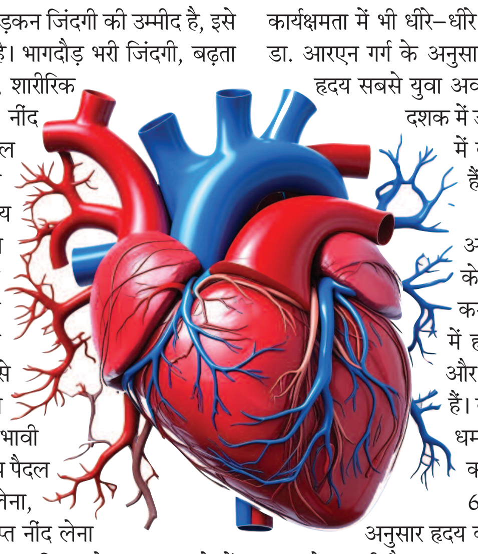

## हर दशक में हृदय पर पड़ता है उम्र का अलग असर

उम्र बढ़ने के साथ शरीर के दूसरे अंगों की तरह दिल की कार्यक्षमता में भी धीरे-धीरे बदलाव आता है। फिजीशियन डा. आरएन गर्ग के अनुसार, 20 से 25 वर्ष की उम्र में हृदय सबसे युवा अवस्था में होता है। इसके बाद हर दशक में उसकी पंपिंग क्षमता और धमनियों में कुछ बदलाव दिखाई देने लगते हैं।

30 से 40 वर्ष की उम्र में अधिकतम हृदय गति और व्यायाम के दौरान पंपिंग क्षमता धीरे-धीरे कम हो सकती है। 40 से 50 वर्ष में हृदय की मांसपेशियां कुछ मोटी और धमनियां कम लचीली हो सकती हैं। वहीं 50 से 60 वर्ष में कोरोनरी धमनियों की रक्त प्रवाह नियंत्रित करने की क्षमता घटने लगती है। 60 से 70 वर्ष में जरूरत के अनुसार हृदय की कार्यक्षमता बढ़ाने की क्षमता कम हो सकती है। इस उम्र में सीढ़ियां चढ़ने पर अत्यधिक थकान, लेटने पर सांस फूलना या पैरों में नई सूजन जैसे लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

बीपी, कोलेस्ट्रॉल, शुगर और वजन पर नियमित नजर रखना जरूरी है। नियमित शारीरिक गतिविधि भी हृदय स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है।

## हार्ट विशेषज्ञों की कमी धड़कनों पर भारी पड़ रही दूरी

### जिला अस्पताल में टेनेक्टेप्लेस से 18 मरीजों को राहत

### ईसीजी के बाद आगरा के विशेषज्ञों से लेनी पड़ती है सलाह

**यूनिक समय, मथुरा।** हार्ट अटैक की स्थिति में हर मिनट महत्वपूर्ण होता है, लेकिन मथुरा के सरकारी अस्पतालों में हृदय रोग विशेषज्ञों की कमी मरीजों के लिए चुनौती बनी हुई है। जिला अस्पताल में हार्ट अटैक के मरीजों को शुरुआती उपचार देने के लिए टेनेक्टेप्लेस इंजेक्शन की सुविधा उपलब्ध है, लेकिन विशेषज्ञ डॉक्टर नहीं होने से ईसीजी रिपोर्ट आगरा भेजकर सलाह लेनी पड़ती है।

जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. नीरज अग्रवाल ने बताया कि दिसंबर 2025 से टेनेक्टेप्लेस इंजेक्शन की सुविधा शुरू की गई है। अब तक करीब 18 मरीजों को इंजेक्शन लगाया जा चुका है। बाजार में महंगा होने वाला यह इंजेक्शन पात्र मरीजों को जिला अस्पताल में निशुल्क उपलब्ध कराया जाता है। उन्होंने बताया कि हार्ट अटैक की आशंका होने पर मरीज की तत्काल ईसीजी कराई जाती है। रिपोर्ट आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के विशेषज्ञ डॉक्टरों के समूह को भेजी जाती है। विशेषज्ञों की सलाह के बाद जरूरत पड़ने पर जिला अस्पताल में ही इंजेक्शन लगाया जाता है। इसके बाद आवश्यक दवाएं और उपचार देने के साथ मरीज की स्थिति के अनुसार आगे के इलाज के लिए आगरा रेफर किया जाता है। सीएमएस के अनुसार, अभी तक ऐसा कोई मामला सामने नहीं आया, जिसमें इंजेक्शन देने के बाद तत्काल गंभीर स्थिति के कारण मरीज को आगरा भेजना पड़ा हो। टेनेक्टेप्लेस की सुविधा से शुरुआती उपचार में राहत मिली है, लेकिन सरकारी अस्पताल में हृदय रोग विशेषज्ञ की कमी अब भी बड़ी चुनौती बनी हुई है।

## अचानक रुकी सांस तो सीपीआर बन सकता है लाइफसेवर

**यूनिक समय, मथुरा।** अचानक बेहोशी और सांस रुकना कार्डियक अरेस्ट का संकेत हो सकता है। ऐसी स्थिति में तुरंत सीपीआर शुरू करना जीवन बचाने में मददगार हो सकता है। विश्व हृदय दिवस पर विशेषज्ञ चिकित्सकों ने लोगों से सीपीआर की जानकारी और प्रशिक्षण लेने की अपील की।

व्यक्ति को सख्त और समतल सतह पर पीठ के बल लिटाएं। छाती के बीचोंबीच दोनों हाथ एक-दूसरे के ऊपर रखें। कंधे हाथों के ठीक ऊपर और कोहनियां सीधी रखें। छाती को करीब पांच सेंटीमीटर गहराई तक दबाएं और हर दबाव के बाद उसे सामान्य स्थिति में आने दें। सीपीआर की गति 100 से 120 दबाव प्रति मिनट रखें। चिकित्सा सहायता पहुंचने तक प्रक्रिया जारी रखें। सांस लौटने पर व्यक्ति को करवट में लिटाकर निगरानी रखें। गंभीर स्थिति में तत्काल आपातकालीन चिकित्सा सहायता लें।

## विज्ञान ने बदली दिल की बीमारी से लड़ने की तस्वीर

### कैथेटर से बायपास तक, शोध ने इलाज के नए रास्ते खोले

**यूनिक समय, मथुरा।** हृदय रोगों के इलाज और बचाव में पिछले दशकों में चिकित्सा विज्ञान ने उल्लेखनीय प्रगति की है। दिल की कार्यप्रणाली समझने से लेकर बिना बड़ी सर्जरी उपचार तक, कई खोजों ने हृदय चिकित्सा को नई दिशा दी। आंकड़ों के अनुसार, 1950 की तुलना में हृदय रोगों से मृत्यु का जोखिम करीब 75 फीसदी घटा है। 1929 में जर्मनी के वर्नर फोर्समैन ने कैथेटर को नस के रास्ते हृदय तक पहुंचाकर नई राह खोली। 1948 की फ्रेमिंघम हार्ट स्टडी ने उच्च रक्तचाप और धूम्रपान जैसे जोखिम कारकों की पहचान में अहम भूमिका निभाई। 1967 में कोरोनरी बायपास तकनीक ने अवरुद्ध धमनियों के लिए नया रक्त मार्ग उपलब्ध कराया। इसके बाद एंजियोप्लास्टी, वाल्व उपचार और थक्का घोलने जैसी तकनीकों ने इलाज को और प्रभावी बनाया। आज स्वस्थ जीवनशैली, नियमित जांच और समय पर उपचार हृदय स्वास्थ्य के प्रमुख आधार हैं।

## मसूड़े, पकड़ और अकेलापन भी बताते दिल हैं का हाल

**यूनिक समय, मथुरा।** दिल की सेहत का असर शरीर के कई हिस्सों और जीवनशैली पर दिखाई दे सकता है। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन से जुड़े शोध के अनुसार, मसूड़ों की बीमारी का संबंध धमनियों में प्लाक, हार्ट अटैक और स्ट्रोक के बढ़े जोखिम से देखा गया है। लैंसेट में प्रकाशित शोध में हाथों की पकड़ की ताकत को भी स्वास्थ्य का एक संकेत माना गया है। वहीं हार्वर्ड हेल्थ की जानकारी के अनुसार, सामाजिक अलगाव और अकेलेपन का संबंध हार्ट अटैक, स्ट्रोक और समय से पहले मृत्यु के बढ़े जोखिम से पाया गया है।

फ्लू से बचाव भी हृदय रोगियों के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है। कुछ अध्ययनों में फ्लू का टीका लगवाने के बाद हार्ट अटैक, स्ट्रोक और कार्डियक अरेस्ट के जोखिम में कमी देखी गई है। हालांकि, टीकाकरण और हृदय संबंधी जोखिमों के बीच प्रभाव व्यक्ति की स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार अलग हो सकता है।

### इलाज की उम्मीद में महीनों अस्पताल के आसपास डेरा डालकर रहते हैं गंभीर मरीज

# चेन्नई में धड़क रहा ट्रांसप्लांट हब, मथुरा भी पहुंचता है वहां

**यूनिक समय, मथुरा।** दिल की गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीजों के लिए चेन्नई अब देश के बड़े हार्ट ट्रांसप्लांट केंद्रों में शामिल हो चुका है। मथुरा समेत आसपास के जिलों से भी गंभीर हृदय रोगी बेहतर इलाज की उम्मीद में चेन्नई के सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों की दूरी तय करते हैं, लेकिन यहां इलाज के साथ सबसे बड़ी चुनौती मरीज और तीमारदारों के लंबे समय तक ठहरने की बन जाती है। जिससे जेब पर आर्थिक बोझ बढ़ता है।

चेन्नई के बड़े अस्पतालों में मथुरा और अन्य स्थानों के काफी मरीज हर दिन पहुंचते हैं। कई मरीजों के परिवारों को ट्रांसप्लांट के लिए लंबे समय तक प्रतीक्षा करनी पड़ती है। इस दौरान वे

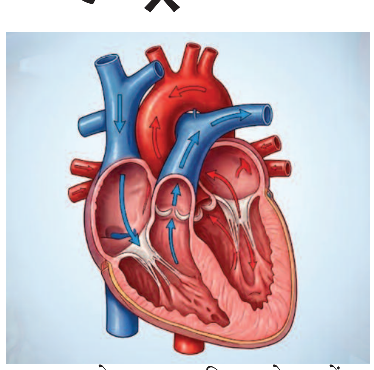

अस्पताल के आसपास किराए के कमरों या अपार्टमेंट में रहकर मरीज की निगरानी करते हैं। मथुरा के सदरबाजार के सुभाष ने बताया कि अस्पताल के पास रहने पर ही नियमित जांच और

### कम खर्च की उम्मीद से जाते हैं मरीज, लेकिन रहने-खाने से बढ़ता है जेब का बजट

अचानक बुलावे के समय पहुंचना आसान रहता है। कई परिवारों का रहने और खाने का खर्च ही हर महीने हजारों रुपये तक पहुंच जाता है।

ऐसे में मथुरा के मरीजों के लिए चेन्नई की दूरी भी बड़ी चुनौती है। मरीज के साथ अक्सर दो-तीन परिजन जाते हैं। जांच, प्रतीक्षा, ऑपरेशन और बाद की निगरानी के कारण यात्रा कुछ दिनों की नहीं, बल्कि कई सप्ताह या महीनों की हो जाती है। ऐसे में इलाज के खर्च के साथ किराया, भोजन और स्थानीय परिवहन का खर्च भी परिवार के बजट पर भारी पड़ता है।

हार्ट ट्रांसप्लांट के बाद सामान्य जीवन में लौटने वाले मरीजों की कहानियां दूसरे गंभीर रोगियों और उनके परिवारों के लिए उम्मीद जरूर जगाती हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार समय पर विशेषज्ञ परामर्श और उपयुक्त उपचार विकल्पों की जानकारी बेहद महत्वपूर्ण है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2020 से 2024 के बीच देश में करीब 957 हार्ट ट्रांसप्लांट हुए। औसतन लगभग 190 से 200 प्रतिवर्ष ट्रांसप्लांट हुए। ऐसे में चेन्नई के कई सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

## अंदर के पेजों की प्रमुख खबरें

मौसम का बदला मिजाज, कई राज्यों में बारिश और बाढ़
पेज-11 पर

बरसाना में शिव महापुराण कथा में उमड़ा आस्था का सैलाब
पेज-04 पर

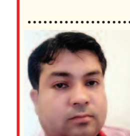

यूपीआई शुल्क ने बढ़ाई उलझन ग्राहक व्यापारी दोनों परेशान
पेज-12 पर

# मथुरा में भाजपा तलाशेगी यूपी चुनावी तैयारियों की दिशा

## तीन और चार अक्टूबर को नितिन नवीन की अध्यक्षता में जुटेंगे वरिष्ठ भाजपा नेता

## योगी की मौजूदगी में पश्चिमी यूपी, अवध और पूर्वांचल की संगठनात्मक स्थिति पर मंथन

**यूनिक समय, मथुरा।** उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में तीसरी जीत का रास्ता निकालने के लिए भाजपा तीन और चार अक्टूबर को मथुरा में दो दिवसीय चिंतन बैठक करेगी। बैठक की अध्यक्षता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े समेत वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी इसमें शामिल होंगे। बैठक में चुनावी तैयारियों के साथ संगठन को मजबूत करने और क्षेत्रवार स्थिति की समीक्षा पर चर्चा प्रस्तावित है।

भाजपा से जुड़े जानकारों का कहना है कि पार्टी के लिए मथुरा ब्रज क्षेत्र का प्रमुख धार्मिक और राजनीतिक केंद्र है।

पार्टी की यह बैठक ऐसे समय हो रही है, जब प्रदेश में संगठनात्मक गतिविधियां बढ़ाई जा रही है। इसलिए बैठक को ब्रज क्षेत्र के साथ पूरे प्रदेश की चुनावी तैयारियों की समीक्षा से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि बैठक के बाद ही प्राथमिकताओं और रणनीति की तस्वीर स्पष्ट होगी।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, बैठक में पश्चिमी उत्तर प्रदेश, अवध और पूर्वी उत्तर प्रदेश में संगठन की स्थिति, जमीनी तैयारियों और स्थानीय चुनौतियों पर चर्चा हो सकती है। बूथ से लेकर जिला स्तर तक संगठन की सक्रियता, जनसंपर्क और चुनाव प्रबंधन से जुड़े विषय भी मंथन का हिस्सा होंगे। पार्टी विभिन्न क्षेत्रों की परिस्थितियों के अनुसार संगठनात्मक तैयारियों की समीक्षा कर रही है।

नितिन नवीन की अध्यक्षता में होने वाली बैठक को उत्तर प्रदेश में भाजपा की चुनावी तैयारियों के अगले चरण से जोड़कर देखा जा रहा है। इसमें केंद्रीय और प्रदेश नेतृत्व के बीच तालमेल, संगठन के विस्तार, कार्यकर्ताओं की सक्रियता और आगामी महीनों के कार्यक्रमों पर चर्चा हो सकती है। मथुरा में वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी के बीच होने वाले इस मंथन से पार्टी की संगठनात्मक प्राथमिकताओं को लेकर तस्वीर और स्पष्ट होने की उम्मीद है।

# दर्शन से ज्यादा दिखावे की होड़ मथुरा के मंदिरों पर उठे सवाल

## कैमरा और वीआईपी संस्कृति के बीच श्रद्धा का भाव कहीं पीछे तो नहीं छूट रहा

**यूनिक समय, मथुरा।** भगवान के दरबार में पहुंचकर मन शांत हो, व्यवहार में विनम्रता आए और दूसरों की मदद करने की इच्छा जागे, शायद यही सच्चे दर्शन का सबसे बड़ा प्रसाद है। लेकिन बदलते दौर में मंदिरों की यात्रा भी इंटरनेट मीडिया और दिखावे से अछूती नहीं रह गई है। मथुरा-वृंदावन जैसे प्रमुख धार्मिक क्षेत्र में यह सवाल और महत्वपूर्ण हो जाता है।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि, ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर, प्रेममंदिर, द्वारकाधीश और अन्य प्रमुख मंदिरों में रोज बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। आस्था के इस सैलाब के बीच वीआईपी दर्शन, विशेष प्रवेश और प्रभावशाली लोगों के लिए अलग व्यवस्थाओं को लेकर अक्सर चर्चा होती रहती है। आम श्रद्धालु घंटों कतार में खड़ा रहता है, जबकि प्रभावशाली लोगों को तत्काल दर्शन मिलने की धारणा कई बार असमानता का सवाल खड़ा करती है।

दूसरी ओर, मोबाइल कैमरे ने मंदिरों की यात्रा का स्वरूप भी बदला है। श्रद्धालु दर्शन से पहले तस्वीरें और वीडियो बनाने में जुट जाते हैं। कई बार मंदिर परिसर और धार्मिक आयोजनों की तस्वीरें इंटरनेट मीडिया पर साझा करना श्रद्धा से ज्यादा अपनी मौजूदगी दिखाने का माध्यम बन जाता है। सवाल यह है कि हम मंदिर भगवान से जुड़ने के लिए जा रहे हैं या दुनिया को यह बताने के लिए कि हम वहां पहुंचे थे।

दान भी इसी बदलाव का हिस्सा है। मंदिरों और धार्मिक संस्थाओं को आर्थिक सहयोग परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। यदि यही धन शिक्षा, चिकित्सा, अन्नदान, गौसेवा या जरूरतमंदों की सहायता में लगे तो उसका सामाजिक प्रभाव बढ़ सकता है। जरूरत इस बात की है कि श्रद्धा प्रदर्शन नहीं, संवेदना और सेवा का माध्यम बने।

मथुरा की धार्मिक पहचान केवल मंदिरों और भीड़ से नहीं, बल्कि यहां की सेवा, सरलता और कृष्ण भक्ति की परंपरा से भी जुड़ी है। ऐसे में दर्शन के बाद यदि अहंकार कम और विनम्रता अधिक हो, तो यही शायद सबसे बड़ा प्रसाद है। वीआईपी संस्कृति से परे जन सामान्य को सहज और सुलभ दर्शन कराने का भी इंतजाम होना जरूरी है।

# माधुरी कुंड फार्म के सतत विकास को मिलेगी नई दिशा

कुलपति डॉ. अभिजित मित्र की मौजूदगी में समझौते का आदान- प्रदान करते दुवासु और एसीएफ के अधिकारी।

**यूनिक समय, मथुरा।** उत्तर प्रदेश पं. दीन दयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो-अनुसंधान संस्थान (दुवासु) और एसीएफ के बीच मंगलवार को माधुरी कुंड फार्म के वैज्ञानिक और सतत विकास के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। विश्वविद्यालय परिसर में हुए कार्यक्रम में कुलपति डॉ. अभिजित मित्र की उपस्थिति रही।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव डॉ. अरुण कुमार मदान, निदेशक शोध डॉ. संजीव कुमार सिंह और निदेशक फार्म्स डॉ. यजुवेंद्र सिंह मौजूद रहे। एसीएफ की ओर से अभिलाषा राजन और हर्ष ने सहभागिता की। समझौते का उद्देश्य फार्म की भूमि और संसाधनों का वैज्ञानिक और सुव्यवस्थित उपयोग, पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देना है। इसके तहत जरूरत के अनुसार सर्वेक्षण, अनुसंधान प्रोटोकॉल, परियोजना आधारित कार्ययोजना और संयुक्त कार्यदल गठित किए जा सकेंगे।

एसीएफ जलवायु, पारिस्थितिकी, प्राकृतिक संसाधन, ग्रामीण आजीविका और सामुदायिक सहभागिता के क्षेत्र में कार्यरत गैर-लाभकारी संस्था है। साझेदारी के तहत विश्वविद्यालय की वैज्ञानिक-पशु चिकित्सा विशेषज्ञता को एसीएफ के क्षेत्रीय अनुभव से जोड़ा जाएगा। समझौते में फार्म से जुड़े भू-स्थानिक आंकड़ों और अन्य संस्थागत सूचनाओं की गोपनीयता का भी प्रावधान है। कार्बन और जैव-विविधता क्रेडिट संबंधी गतिविधियों के लिए विश्वविद्यालय की पूर्व अनुमति आवश्यक होगी। समझौता तीन वर्ष प्रभावी रहेगा।

# साइबर ठगी से बचने के बताए आसान और जरूरी गुर

साइबर कार्यशाला में मौजूद एडीजी एसके भगत, डीआइजी शैलेश पांडेय, एसएसपी श्लोक कुमार आदि।

**यूनिक समय, मथुरा।** डैंपियर नगर स्थित प्रेक्षागृह में मंगलवार को साइबर सुरक्षा और ऑनलाइन अपराधों से बचाव को लेकर कार्यशाला आयोजित की गई। एडीजी एसके भगत की अध्यक्षता में हुई साइबर सुरक्षा गोष्ठी में पुलिस अधिकारियों के साथ विभिन्न वर्गों के लोगों ने भी सहभागिता की।

कार्यशाला के मुख्य वक्ता उत्तर प्रदेश साइबर मुख्यालय से आमंत्रित साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ डॉ. रक्षित टंडन ने साइबर अपराध के बदलते तरीकों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि साइबर अपराधी लगातार नए तरीके अपना रहे हैं। ऐसे में लोगों को सतर्क रहने के साथ डिजिटल लेनदेन और व्यक्तिगत जानकारी साझा करते समय विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। उन्होंने साइबर ठगी के विभिन्न तरीकों, फर्जी संदेश, संदिग्ध लिंक और अन्य ऑनलाइन माध्यमों से होने वाले अपराधों से बचाव के उपाय समझाए। साथ ही साइबर अपराध होने की स्थिति में तत्काल उठाए जाने वाले कदमों की जानकारी भी दी गई।

कार्यक्रम में डीआइजी शैलेश कुमार, जिला जज विकास कुमार, एसएसपी श्लोक कुमार, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सहित पुलिस अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यशाला में समाज के विभिन्न वर्गों के संभ्रांत नागरिक, व्यापार मंडल, बार एसोसिएशन के पदाधिकारी-सदस्य और बड़ी संख्या में स्कूली छात्र शामिल हुए। आयोजकों के अनुसार, प्रतिभागियों ने डिजिटल सुरक्षा से जुड़े जरूरी उपायों की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम में साइबर जागरूकता को अपराध से बचाव का महत्वपूर्ण माध्यम बताया गया।

# संभव जनसुनवाई में 11 शिकायतें प्राप्त, एक का मौके पर निस्तारण

मंगलवार को नगर निगम कार्यालय में जन शिकायतें सुनतीं अपर नगर आयुक्त सुनीता सिंह।

## अपर नगर आयुक्त समेत अधिकारियों ने सुनीं लोगों की समस्याएं

**यूनिक समय, मथुरा।** जन शिकायतों के त्वरित और प्रभावी निस्तारण के लिए नगर विकास मंत्री की पहल पर प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाले संभव संतुष्टि और समृद्धि कार्यक्रम के तहत मंगलवार को नगर निगम में जनसुनवाई की गई।

भूतेश्वर स्थित नगर निगम कार्यालय में अपर नगर आयुक्त सुनीता सिंह ने जनसुनवाई कर लोगों की शिकायतें सुनीं। वृंदावन जोन में सहायक नगर आयुक्त अनुज कौशिक, सिटी जोन जनरल गंज कार्यालय में अवर अभियंता अजय कुमार ने जनसुनवाई की।

भूतेश्वर जोन में कुल आठ शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें तीन निर्माण, एक सफाई, तीन अतिक्रमण और धर्मशाला में बेंच लगवाने से संबंधित एक शिकायत शामिल रही। इनमें सफाई से संबंधित एक शिकायत का निस्तारण कर दिया गया। वहीं वृंदावन जोन में तीन शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें दो जलकल और एक नजूल विभाग से संबंधित थीं। जनसुनवाई के दौरान नगर निगम के विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों को शिकायतों का निर्धारित समय सीमा में निस्तारण करने के निर्देश दिए गए।

# एक अक्टूबर से महंगे हो सकते हैं एसी, टीवी और फ्रिज

## त्योहारी सीजन से पहले इलेक्ट्रॉनिक सामानों पर बढ़ेगा खर्च

## कच्चे माल की लागत और डॉलर की मजबूती का असर

**यूनिक समय, मथुरा।** त्योहारी सीजन शुरू होने से पहले इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीदने की तैयारी कर रहे ग्राहकों को महंगाई का झटका लग सकता है। एक अक्टूबर से एसी, एलईडी टीवी, फ्रिज और वॉशिंग मशीन समेत कई इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की कीमतें बढ़ने की संभावना है। कंपनियों की ओर से कीमतों में करीब तीन से आठ प्रतिशत तक बढ़ोतरी किए जाने की चर्चा है।

बाजार से मिली जानकारी के अनुसार तांबा, एल्युमिनियम, स्टील और प्लास्टिक जैसे कच्चे माल की लागत बढ़ने के साथ माल ढुलाई खर्च भी बढ़ा है। डॉलर मजबूत होने से आयातित सामान और कलपुर्जों की लागत में भी इजाफा हुआ है। एसी में तांबे का अधिक इस्तेमाल होने के कारण इसकी कीमत पर कच्चे माल की बढ़ती लागत का सीधा असर पड़ रहा है। त्योहारी सीजन में इलेक्ट्रॉनिक सामान की मांग बढ़ने के बीच संभावित मूल्य वृद्धि से ग्राहकों का बजट प्रभावित हो सकता है।

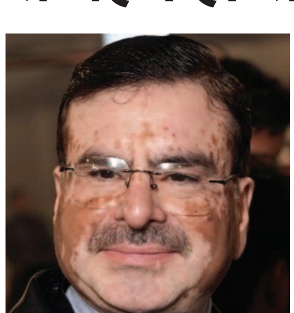

बिपिन सिंघल

नितिन अग्रवाल

मथुरा के इलेक्ट्रॉनिक व्यापारी सिंघल संस के मालिक बिपिन सिंघल ने बताया कि एसी की कीमतों में करीब पांच से आठ प्रतिशत तक बढ़ोतरी की संभावना है। टीवी, फ्रिज और वॉशिंग मशीन समेत अन्य उत्पादों के दाम तीन से पांच प्रतिशत तक बढ़ सकते हैं।

टेक्नो मार्ट के मालिक नितिन अग्रवाल ने बताया कि कच्चे माल की कीमत बढ़ने के कारण अधिकांश इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के दाम एक अक्टूबर से बढ़ने की उम्मीद है। उनके अनुसार, कीमतों में करीब तीन से सात प्रतिशत तक वृद्धि हो सकती है। ऐसे में त्योहार से पहले इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीदने वालों को अतिरिक्त बजट खर्च करना पड़ सकता है।

### 15 साल बाद खत्म हुआ पारिवारिक वनवास

# जंगल से निकलकर सात बच्चों संग ससुराल लौटी महिला

घर लौटे बच्चे और उसकी मां को आशीर्वाद देते समिति के सदस्य और परिजन।

## मैथिल ब्राह्मण न्याय संघर्ष समिति ने कराई सुलह

## पलवल की टीम बनी मसीहा, गांव में गूंजा मानवता का संदेश

**यूनिक समय, कोसीकलां।** कहते हैं पंचायत में आज भी ताकत है, जो बिखरे रिश्तों को जोड़ दे। ऐसा ही कुछ कर दिखाया मैथिल ब्राह्मण न्याय संघर्ष समिति पलवल ने। समिति की पहल पर 15 साल से चला आ रहा पारिवारिक विवाद आखिर सुलह की दहलीज पर आकर खत्म हो गया और महीनों से जंगल में टीन शेड के नीचे अपने सात मासूमों के साथ जिंदगी काट रही एक महिला को फिर से अपना घर-परिवार नसीब हो गया।

लगभग दो दशक पहले हरियाणा के मीरपुर कौराली गांव से दो सगी बहनों की डोली अजीजपुर गांव में आई थी। नियति को कुछ और ही मंजूर था, बड़ी बहन की असमय मृत्यु हो गई। इस मामले में अदालत तक लड़ाई चली और ससुराल पक्ष के कुछ लोगों को सजा भी हुई।

छोटी बहन पंचायत के फैसले से अजीजपुर में ही रही। समय बीता, उसकी गोद में छह बेटियां और एक बेटा आए, लेकिन किस्मत ने फिर करवट ली। पारिवारिक कलह इतनी बढ़ी कि एक मां को अपने सात जिगर के टुकड़ों के साथ गांव से बाहर जंगल में टीन की छत के नीचे रातें गुजारनी पड़ीं, जहां न छत थी न सुरक्षा, था तो बस अपनों के इंतजार का सन्नाटा।

राखी के बंधन की लाज रखने के लिए महिला के भाई कृष्ण और मौसा प्रकाश मैथिल पलवल में समिति के दरवाजे पर पहुंचे। दर्द भरी दास्तां सुनते ही समिति ने तुरंत टीम गठित कर दी। सूबेदार सूरज भान शर्मा के नेतृत्व में डीएसपी शिब्बो राम शर्मा, जगदीश भारद्वाज, राजू प्रधान चांट और मान सिंह हवलदार की टीम अजीजपुर पहुंची। टीम ने ससुर के पिता गेंदा और परिवार के अन्य सदस्यों को एक जगह बैठाया। घंटों चली बातचीत, समझाइश और सामाजिक मर्यादाओं का हवाला देने के बाद आखिरकार वो घड़ी आई, जिसका सबको इंतजार था।

परिवार ने महिला और उसके सातों बच्चों को ससम्मान घर में रखने की हामी भर दी। जैसे ही महिला ने अपने बच्चों के साथ फिर से घर की दहलीज में कदम रखा, वहां मौजूद हर आंख नम हो गई। 15 साल का वनवास मंगलवार को खत्म हुआ, जंगल का टीन शेड आज फिर से घर में बदल गया। गांव में आज इस सुलह की चर्चा है और हर जुबां पर एक ही बात है कि जब समाज जागता है, तो बिखरा परिवार फिर बस जाता है।

### शुगर मिल बैठक में अभद्र भाषा का मामला

# वाल्मीकि नेता ने एफआईआर पर आगे कार्रवाई से किया इनकार

घरनास्थल पर अपनी बात रखते वाल्मीकि नेता गिर्राज सिंह।

**यूनिक समय, कोसीकलां।** छाता शुगर मिल की बैठक के दौरान अभद्र भाषा के प्रयोग को लेकर दर्ज कराए गए मुकदमे में नया मोड़ सामने आया है। मामले के शिकायतकर्ता वाल्मीकि नेता गिर्राज सिंह ने मंगलवार को छाता में चल रहे धरना-प्रदर्शन स्थल पर पहुंचकर अपना मुकदमा वापस लेने की घोषणा की।

धरना स्थल पर मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि समाज के प्रबुद्ध लोगों की सलाह पर उन्होंने यह निर्णय लिया है कि वह इस प्रकरण को और आगे नहीं बढ़ाना चाहते।

इसके बाद उन्होंने कोतवाली छाता प्रभारी को लिखित प्रार्थना पत्र सौंपा और अनुरोध किया कि उनके द्वारा 20 सितंबर को दर्ज कराई गई एफआईअर पर किसी प्रकार की वैधानिक कार्रवाई अमल में न लाई जाए। प्रार्थना पत्र में गिर्राज सिंह वाल्मीकि निवासी बठैन गेट बस्ती कोसीकलां ने उल्लेख किया है कि समाज के संभ्रांत-समझदार व्यक्तियों ने उन्हें बताया कि शुगर मिल की बैठकों में आवेश में आकर अक्सर ऐसी आम बोल-चाल की भाषा का प्रयोग हो जाता है, जिसे मुकदमेबाजी का विषय नहीं बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सामाजिक सौहार्द और आपसी भाईचारे को बनाए रखने के उद्देश्य से वह अपने मुकदमे को इसी स्तर पर समाप्त करना चाहते हैं।

# युवक ने संदिग्ध परिस्थितियों में लगाई फांसी

## परिवार के लोग बिना पोस्टमार्टम कराए ले गए राजस्थान, पुलिस दवाब में मथुरा में कराया पोस्टमार्टम

मृतक शेर सिंह का फाइल फोटो।

**यूनिक समय, मथुरा।** थाना हाईवे क्षेत्र स्थित तारसी चौराहे के समीप एक कॉलोनी में युवक ने फांसी लगा कर संदिग्ध परिस्थितियों में आत्महत्या करली। परिवार के लोग उसके शव को डीग ले गए। मंगलवार को पुलिस दवाब में शव मथुरा लाकर पोस्टमार्टम कराया।

बताया गया कि गांव कठेला डीग राजस्थान निवासी युवक शेर सिंह की शादी तारसी चौराहा के समीप फौजी ढावे के निकट बनी कॉलोनी में रहने वाले कन्हैया लाल की बेटी के साथ हुई थी। शेर सिंह दिल्ली में कबाड़े का कारोबार करता था। काफी समय पहले उसका एक्सीडेंट होने के कारण वह बैड रेस्ट पर ससुराल में रह रहा था। विगत रात्रि में उसने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लग ली। शेर सिंह के भाई आदि बिना पुलिस को सूचना दिए और बिना पोस्टमार्टम कराए उसे अपने गांव ले गए। वहां की पुलिस को जब इस बात का पता लगा तो उन्होंने उसका मथुरा में पोस्टमार्टम कराने के लिए कहा। इसके बाद परिवार के लोग शेर सिंह के शव को मथुरा लाए। हाईवे पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शेर सिंह के भाई अमित ने उसकी ससुराल में हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। उसका कहना है कि शेर सिंह की सास माया देवी ने पति कन्हैया को भी इसी तरह मार दिया था।

# नाबालिग को भगा ले जाने और दुष्कर्म करने वाले युवक को 11 साल की कैद

## तीस हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया

**यूनिक समय, मथुरा।** अपर सत्र न्यायाधीश/अतिरिक्त विशेष न्यायाधीश (पोक्सो एक्ट) कक्ष संख्या दो ब्रिजेश कुमार ने नाबालिग को भगा ले जाने और दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त को ग्यारह साल का कठोर कारावास और तीस हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

विशेष लोक अभियोजक रामपाल सिंह ने बताया कि अभियुक्त धर्मेंद्र निवासी गांव मगदा थाना मांट आठ मार्च 2020 को एक नाबालिग किशोरी को बहला-फुसला कर भगा ले गया। परिवार के लोग खेत पर काम करने के लिए गए हुए थे। धर्मेंद्र का सहयोग उसके पिता और ताऊ ने भी किया था। इस मामले में पीड़ित किशोरी के पिता ने थाना मांट में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने इस मामले में अभियुक्त को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। अभियुक्त के खिलाफ नाबालिग को भगा ले जाने और दुष्कर्म करने का आरोपपत्र पुलिस ने न्यायालय में प्रेषित किया। मुकदमे की सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीश/ अतिरिक्त विशेष न्यायाधीश (पोक्सो एक्ट) कक्ष संख्या दो ब्रिजेश कुमार के न्यायालय में हुई। न्यायाधीश ने गवाहों की गवाही और पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्त धर्मेंद्र को दोषी मानते हुए उक्त सजा से दंडित किया।

# एडीजीपी ने किया कैफेटेरिया का लोकार्पण

**यूनिक समय, मथुरा।** एडीजी एसके भगत ने पुलिस लाइन में कैफेटोरिया और चिल्ड्रन पार्क का उद्घाटन किया। पुलिस लाइन स्थित ट्रैफिक लाइन में मंगलवार को एडीजी एसके भगत ने नव निर्मित प्रवेश द्वार का लोकार्पण किया।


**यूनिक समय**

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

**कार्यालय:**- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

# बरसाना में शिव महापुराण कथा में उमड़ा आस्था का सैलाब

कथावाचक प्रदीप मिश्रा।

मंगलवार को बरसाना में शिव पुराण कथा का श्रवण करते श्रद्धालु।

## लाखों श्रद्धालुओं ने लगाए राधे-राधे और हर-हर महादेव के जयकारे

## कल योग गुरु रामदेव बाबा समेत संत-महात्मा होंगे शामिल

**यूनिक समय, बरसाना।** राधा की धरा इन दिनों शिव भक्ति में सराबोर है। बरसाना के भव्य मैदान में अंतरराष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के मुखारविंद से चल रही शिव महापुराण कथा के दूसरे दिन मंगलवार को भी लाखों श्रद्धालु उमड़े। कथा स्थल से लेकर आसपास के मार्गों तक श्रद्धालुओं की भीड़ दिखाई दी। चारों ओर राधे-राधे और हर-हर महादेव के जयघोष गूंजते रहे। भीड़ बढ़ने पर आयोजकों को अतिरिक्त पंडाल की व्यवस्था करनी पड़ी।

कथा के दौरान अर्धनारीश्वर की मनोहारी झांकी प्रस्तुत की गई। पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि भगवान शिव की आराधना में सच्ची श्रद्धा और अटूट विश्वास जरूरी है। भोलेनाथ अपने भक्तों की पुकार सुनते हैं। भगवान को प्रसन्न करने के लिए दिखावे की आवश्यकता नहीं, एक लोटा जल और सच्ची श्रद्धा ही पर्याप्त है। उन्होंने कहा कि कर्म का फल देर से मिल सकता है, लेकिन मनुष्य कर्मफल से बच नहीं सकता।

उन्होंने श्रद्धालुओं से कथा के संदेश को जीवन में उतारने का आह्वान किया। कहा कि केवल कथा सुनना पर्याप्त नहीं है। सेवा, भक्ति, सदाचार और अच्छे कर्मों को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाकर ही कथा श्रवण सार्थक हो सकता है। मनुष्य को प्रत्येक क्षण अच्छे कर्म करते हुए भगवान का स्मरण करना चाहिए।

### अतिरिक्त पंडाल लगाए, मार्गों पर भीड़ से जाम

श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए विठलेश सेवा समिति ने अतिरिक्त पंडाल लगाए। क्षेत्रवासी भोजन-प्रसादी सहित अन्य व्यवस्थाओं में सहयोग कर रहे हैं। कथा स्थल की ओर जाने वाले मार्गों पर भीड़ के कारण कई स्थानों पर जाम जैसी स्थिति बनी रही। प्रशासन और समिति व्यवस्थाओं को लगातार विस्तार देने में जुटे हैं।

### संत-महात्माओं का पहुंचना जारी

मंगलवार को भागवत कथावाचक हेमलता शास्त्री, डॉ. शिवम साधक और पूज्य हरिवंश मिश्रा समेत कई संतों ने कथा का श्रवण किया। बुधवार को योग गुरु रामदेव बाबा समेत अन्य संत-महात्मा और जनप्रतिनिधि कथा में शामिल होंगे। उनके आगमन को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह है।

# महिला कांग्रेस का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

कांग्रेस पदाधिकारियों की रिहाई और मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ प्रदर्शन करतीं महिलाएं।

## आगरा में गिरफ्तार नेताओं की रिहाई की मांग

**यूनिक समय, मथुरा।** महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने आगरा में प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तार किए गए कांग्रेस नेताओं की रिहाई की मांग को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा।

कांग्रेस नेता गीता दिवाकर ने आरोप लगाया कि एसआईआर के जरिए मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं, कांग्रेस इसी मुद्दे को लेकर विरोध कर रही है। उन्होंने कहा कि विरोध करने वाले कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई किया जाना उचित नहीं है। महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि राजनीतिक दलों को लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने का अधिकार है। सोमवार को आगरा में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के पैतृक आवास के बाहर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया था। कांग्रेस की ओर से प्रदेश महासचिव अनिल यादव और मथुरा जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर की गिरफ्तारी की बात कही गई है।

# जिला अस्पताल में लगा स्वास्थ्य जांच और जागरूकता शिविर

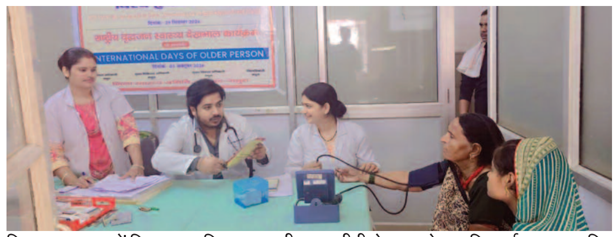
जिला अस्पताल में विश्व हृदय दिवस पर मरीज का बीपी चेक करते डा. सिद्धार्थ धनगर आदि।

## विश्व हृदय दिवस पर रोगों से बचाव के लिए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की दी सलाह

**यूनिक समय, मथुरा।** विश्व हृदय दिवस पर महर्षि दयानंद सरस्वती जिला चिकित्सालय में जागरूकता और स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित हुआ। शिविर में पहुंचे मरीजों और तीमारदारों की स्वास्थ्य जांच की गई। चिकित्सकों ने लोगों को हृदय रोगों से बचाव के उपाय बताए और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने के लिए जागरूक किया।

शिविर में ब्लड प्रेशर और ब्लड ग्लूकोज लेवल की जांच की गई। चिकित्सकों ने जांच के दौरान लोगों को हृदय रोगों के लक्षणों और बचाव की जानकारी दी। सीएमएस डॉ.नीरज अग्रवाल ने बताया कि संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर हृदय रोगों के जोखिम को कम किया जा सकता है। अधिक तला-भुना और असंतुलित भोजन से बचने, नियमित शारीरिक गतिविधि करनी चाहिए। डॉ.सिद्धार्थ धनगर ने कहा कि हृदय रोगों की समय पर पहचान और उपचार से गंभीर स्थिति से बचा जा सकता है। शिविर में डॉ. अमन कुमार, डॉ. एस.पी. शर्मा सहित चिकित्सक और अस्पताल का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

# पेंशनर्स ने मांगों को लेकर उठाई आवाज

बट वृक्ष के नीचे बैठक करते सेवानिवृत्त कर्मचारी-पेंशनर्स एसोसिएशन के सदस्य।

## डीएम के माध्यम से राज्य और केंद्र सरकार को भेजा ज्ञापन

**यूनिक समय, मथुरा।** सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन ने मांगों को लेकर केंद्र और प्रदेश सरकार को ज्ञापन भेजा है। डीएम के माध्यम से भेजे गए ज्ञापन में आठवें वेतन आयोग की सीमा में एक जनवरी से पूर्व के पेंशनर्स की पेंशन और अन्य लाभों को शामिल करने समेत कुल 12 सूत्रीय मांगें रखी गई हैं।

एसोसिएशन के अध्यक्ष गजेंद्र सिंह ने बताया कि आठवें वेतन आयोग की घोषणा के बाद भी पुराने पेंशनर्स के पेंशन पुनरीक्षण को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हुई है। महामंत्री रामकुमार शर्मा ने पेंशनर्स को वित्त विधेयक 2025 के तहत पेंशन में किए गए बदलावों पर आपत्ति है।

एसोसिएशन की प्रमुख मांगों में पुराने पेंशनर्स को आठवें वेतन आयोग की सीमा में शामिल करना, वेतन आयोग की प्रक्रिया में देरी को देखते हुए अंतरिम सहायता देना, कर्मचारियों, शिक्षकों और पेंशनर्स के लिए अलग सीपीसी का गठन करना और लंबी सेवा अवधि के लिए ओपीएस बहाल करना शामिल है।

ज्ञापन में इसके अलावा पेंशन की रिकवरी को 10 वर्ष पर बंद करने, 65 वर्ष की आयु के बाद प्रत्येक पांच वर्ष में पांच प्रतिशत पेंशन वृद्धि करने, पेंशन को आयकर से मुक्त करने, वरिष्ठ नागरिकों को रेल किराये में 50 प्रतिशत छूट देने और आयुष्मान भारत में कैशलेस उपचार की सीमा बढ़ाकर 10 लाख रुपये करने की मांग रखी गई है। ज्ञापन में महंगाई भत्ते को 50 प्रतिशत से अधिक होने पर मूल वेतन-पेंशन में मर्ज करने और वरिष्ठ नागरिकों के लिए वरिष्ठ नागरिक आयोग के गठन की मांग भी शामिल है।बैठक में कोषाध्ण्यक्ष रामखिलाड़ी, राजकिशोर दीक्षित, चिरंजीलाल, ओमप्रकाश शर्मा, रमेश यादव, हरस्वरूप गौतम, पीके पंत, बनवारी लाल, सूबेदार सिंह आदि शामिल थे।

# मेजर ध्यानचंद मार्ग पर जलभराव के स्थायी समाधान की कवायद

ओम नगर पुलिया का निरीक्षण करते नगर आयुक्त ओजस्वी राज।

## नगर आयुक्त ने बाइक से किया वार्ड 33 और तीन का निरीक्षण, दो दिन में पुलिया सफाई के निर्देश

**यूनिक समय, मथुरा।** मेजर ध्यानचंद मार्ग और आसपास की कॉलोनियों में जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान को लेकर नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने मंगलवार को वार्ड संख्या 33 और तीन का व्यापक निरीक्षण किया।

बाइक से निकले नगर आयुक्त ने क्षेत्र का भ्रमण कर मौके पर जल निकासी, नाला-नालियों और सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। उनके साथ अपर नगर आयुक्त सुनीता सिंह, मुख्य अभियंता निर्माण संजय सिंह, महाप्रबंधक जलकल मोहम्मद अनवर ख्वाजा, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राम गोपाल समेत संबंधित अधिकारी और पार्षद अभिजीत कुमार, दिनेश कुमार मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान गोपाल धाम, राधा धाम, बैकुंठ ग्रीन, लक्ष्मी वाटिका, हरी वाटिका, मोहिनी स्टेट, माया कॉलोनी, निधिवन, शिवपुरी, ब्रह्मपुरी, नर्सिंग विहार, आरके पुरम सहित विभिन्न कॉलोनियों की स्थिति देखी गई। अधिकारियों के अनुसार वार्ड 33 की करीब 18 और वार्ड तीन की पांच कॉलोनियों का पानी मेजर ध्यानचंद मार्ग की ओर एकत्रित होता है। क्षेत्र के लो-लाइन होने के कारण जलभराव की समस्या बनी रहती है। नगर आयुक्त ने बताया कि जल निकासी के लिए नाला निर्माण के लिए करीब पांच करोड़ रुपये का एस्टीमेट राज्य सेक्टर योजना के तहत शासन को भेजा गया है। इसके अलावा सम्पवेल निर्माण के लिए करीब 2.70 करोड़ रुपये का एस्टीमेट तैयार किया जा रहा है। ओम नगर में पुलिया चोक मिलने पर नगर स्वास्थ्य अधिकारी को दो दिन में सफाई कराने के निर्देश दिए गए। वहीं सीएनडीएस को पांच दिन में पूरे क्षेत्र का सर्वे कर रिपोर्ट देने को कहा गया। नगर निगम की भूमि का सर्वे कर उसे सुरक्षित कराने के निर्देश भी दिए गए।

## किशोरी को ले जाकर किया दुराचार

**यूनिक समय, मथुरा।** एक किशोरी को जबरन गाड़ी में बिठाकर ले जाने और उसके साथ बलात्कार करने के बाद कोसीकलां में छोड़ दिया। शिकायत करने पर विजय,भोला और विपिन ने उसके साथ मारपीट की। इस मामले में थाना जैंत में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

## शराब ले जाता युवक गिरफ्तार

**यूनिक समय, मथुरा।** राजकीय पुलिस ने चेकिंग के दौरान प्लेटफार्म संख्या एक और आठ के बीच से एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 15 हॉफ और तीन फुल शराब की बोतल हरियाणा मार्का बरामद की है। गिरफ्तार अभियुक्त अनिल कुमार सरोज निवासी बबुआपुर थाना फूलपुर जिला प्रयागराज है। यह जानकारी थाना प्रभारी निरीक्षक जीआरपी प्रदीप कुमार ने दी।

# जीएलए में एग्रीहैकथॉन से विद्यार्थियों के नवाचार को मंच

जीएलए विश्वविद्यालय के कृषि संकाय में 'आइडियाथॉन 2026 वेयर एग्रीहैकथॉन बिगिन्स' एवं 'संवेदन 360' डिग्री कार्यक्रमों के दौरान बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्रों के साथ विभागीय पदाधिकारीगण ।

**यूनिक समय, मथुरा।** जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा के कृषि विभाग में विद्यार्थियों की नवाचार क्षमता, रचनात्मक सोच और सामाजिक संवेदनशीलता को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से 'आइडियाथॉन-2026 वेयर एग्रीहैकथॉन बिगिन्स' और 'संवेदन 360' कार्यक्रम आयोजित किए गए। कृषि विज्ञान संकाय के मार्गदर्शन में एल्मैग्रो और एग्रीवेंचर क्लब की ओर से आयोजित कार्यक्रम में कृषि नवाचार, तकनीकी सोच और सामाजिक सरोकारों का संगम देखने को मिला।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जीएलए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए नवाचार, रचनात्मक सोच और निरंतर सीखने के महत्व पर जोर दिया। कृषि विज्ञान संकाय के डीन प्रो. शैलेश कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को कृषि क्षेत्र में नवाचार और उद्यमिता की संभावनाओं को पहचानने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को किसानों और समाज की वास्तविक समस्याओं को समझकर उनके व्यावहारिक समाधान विकसित करने की दिशा में काम करना चाहिए। सीएसएडी के एसोसिएट डायरेक्टर डॉ. पुष्कर शर्मा और गणित विभागाध्यक्ष प्रो. मनीष गोयल ने भी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। आइडियाथॉन-2026 में प्रतिभागियों ने कृषि क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार प्रस्तुत किए। प्रस्तुतियों में आधुनिक तकनीक के उपयोग, समस्या समाधान और व्यावहारिक उपयोगिता पर विशेष जोर रहा। प्रतिभागियों का मूल्यांकन नवाचार और मौलिकता, तकनीकी दृष्टिकोण, व्यावहारिकता, संभावित उपयोगिता और प्रस्तुतीकरण के आधार पर किया गया।

### कृषि समस्याओं पर विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किए नए विचार

### संवेदन 360 में सामाजिक सरोकारों की दिखी झलक

प्रतियोगिता में बीएससी ऑनर्स कृषि के राघवेंद्र और निहारिका ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। बीसीए डीएस के ऋषभ मिश्रा, अर्पित सिंह और अंकित द्वितीय और आकाश पाठक, चौतन्य और सुमिता तृतीय स्थान पर रहे। सांत्वना पुरस्कार आर्यन खान, हेमंत और रचना को मिला। बीटेक कंप्यूटर साइंस के आर्यन अग्रवाल, यश गोयल और बीएससी ऑनर्स कृषि के आयुष शंकर, अमित कुमार और कोमल प्रिया को भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। वहीं 'संवेदन 360' ने कार्यक्रम को सामाजिक-मानवीय सरोकारों से जोड़ा। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में सहानुभूति, संवेदनशीलता और सामाजिक जागरूकता विकसित करना रहा। इसमें कृषि विभाग के विवेक जोशी प्रथम, आदृता और बिपुल द्वितीय और अपर्णा तृतीय रहे। सांत्वना पुरस्कार एमबीए के अभय कुमार, उज्जवल गुप्ता और कृषि संकाय के प्रकाश रेमी को मिला। डीन प्रो. शैलेश कुमार सिंह ने विजेताओं को पुरस्कार देकर उनके प्रयासों की सराहना की। आयोजन में डॉ. आकांक्षा सिंह, डॉ. सागर और डॉ. श्याम किशोर पटेल का विशेष योगदान रहा।

# परीक्षा केंद्र के लिए अब पढ़ाई भी बनेगी आधार

**यूनिक समय, मथुरा।** आगामी यूपी बोर्ड परीक्षा के लिए केंद्र निर्धारण की प्रक्रिया में इस बार बदलाव किया गया है। माध्यमिक शिक्षा परिषद ने विद्यालयों के मूल्यांकन के लिए ऐसी व्यवस्था लागू की है, जिसमें भवन और संसाधनों के साथ शैक्षणिक प्रदर्शन और विद्यार्थियों की ऑनलाइन उपस्थिति भी महत्वपूर्ण होगी।

नई व्यवस्था में परीक्षा केंद्र के लिए विद्यालयों की रैंकिंग और रेटिंग तैयार की जाएगी। इसके तहत विद्यार्थियों की बायोमीट्रिक अथवा ऑनलाइन दर्ज होने वाली दैनिक उपस्थिति को प्रमुख मानकों में शामिल किया गया है। जिन विद्यालयों में लगातार 180 दिन तक ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज होगी, उन्हें केंद्र निर्धारण में प्राथमिकता मिल सकेगी।

### 180 दिन ऑनलाइन उपस्थिति वाले विद्यालयों को प्राथमिकता

### मेधावी विद्यार्थियों के परिणाम से तय होगी रेटिंग

विद्यालयों में पढ़ने वाले मेधावी विद्यार्थियों के प्रदर्शन और परीक्षा परिणाम को भी रेटिंग का हिस्सा बनाया जाएगा। यानी अब सिर्फ पर्याप्त कमरे, फर्नीचर और अन्य भौतिक सुविधाएं होना केंद्र बनने के लिए पर्याप्त नहीं होगा।

विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता भी उसकी दावेदारी को प्रभावित करेगी।

जिला विद्यालय निरीक्षक राघवेंद्र सिंह ने बताया कि नई व्यवस्था का उद्देश्य केंद्र निर्धारण प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और तथ्य आधारित बनाना है। निर्धारित व्यवस्था के अनुसार, राजकीय और अशासकीय सहायता प्राप्त विद्यालयों को पहली वरीयता दी जाएगी। नई नीति से विद्यालयों पर नियमित ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराने के साथ विद्यार्थियों के शैक्षणिक प्रदर्शन में सुधार का दबाव भी बढ़ेगा। बोर्ड की यह व्यवस्था परीक्षा केंद्र चयन को केवल संसाधनों के बजाय विद्यालय के समग्र प्रदर्शन से जोड़ती है।

# स्कूल में पोक्सो एक्ट पर विद्यार्थियों को किया जागरूक

**यूनिक समय, वृंदावन।** माउंट लिट्टरा स्कूल, सरस्वती कुंड में पॉक्सो एक्ट–2012 को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। अपर जिला जज पल्लवी अग्रवाल ने विद्यार्थियों को बाल लैंगिक अपराधों से संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों और बच्चों के कानूनी अधिकारों की जानकारी सरल भाषा में दी।

उन्होंने विद्यार्थियों को सुरक्षा के प्रति सजग रहने और किसी भी अनुचित घटना की जानकारी जिम्मेदार व्यक्ति को देने के लिए प्रेरित किया। रूपेश चौधरी, राहुल अग्रवाल और एलएडीसी–पैनल अधिवक्ता संगीता शर्मा ने भी कानून के तहत अधिकारों एवं जिम्मेदारियों पर प्रकाश डाला।

वृंदावन लॉ कॉलेज की विधि छात्रा वानी गुप्ता ने संवाद के माध्यम से बाल सुरक्षा और जागरूकता से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदु साझा किए।

माउंट लिट्टरा में विद्यार्थियों को जानकारी देतीं जज पल्लवी अग्रवाल।

# नवांकुर–2026 में विद्यार्थियों ने मंच पर मचाया धमाल

नवांकुर कार्यक्रम का फीता काटकर शुभारंभ करते गिरधारी शरण अग्रवाल, साथ हैं चेयरमैन इं. नितिन मित्तल, वाइस चेयरमैन विशाल बंसल, शशिभानु गर्ग।

**यूनिक समय, मथुरा।** बीएसए कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में नवप्रवेशी विद्यार्थियों के स्वागत के लिए फ्रेशर्स पार्टी 'नवांकुर-2026' का आयोजन उत्साह और उमंग के साथ किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नए विद्यार्थियों को संस्थान के माहौल से जोड़ने के साथ उनकी प्रतिभा, रचनात्मकता और आत्मविश्वास को मंच प्रदान करना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। अतिथियों और संस्थान के पदाधिकारियों ने पूजन कर विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य और सफल शैक्षणिक जीवन की कामना की। विभिन्न विभागों के शिक्षकों ने अतिथियों का पटका पहनाकर और पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम में श्री अग्रवाल शिक्षा मंडल के वरिष्ठ सदस्य गिरधारी शरण अग्रवाल, समाजसेवी शशि भानु गर्ग, चेयरमैन इं. नितिन मित्तल, वाइस चेयरमैन विशाल बंसल और निदेशक प्रो. श्याम एस. अग्रवाल सहित विभागाध्यक्ष और शिक्षक मौजूद रहे।

### सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा दर्शकों का ध्यान

### बॉलीवुड मैशअप पर जमकर झूमे नवप्रवेशी छात्र

'नवांकुर-2026' के मंच पर विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से खूब तालियां बटोरीं। 'पार्वती स्पिरिचुअल पीस एंड डिवाइन एक्ट' ने दर्शकों को भावविभोर किया। इसके बाद कार्यक्रम की झलक और जोशीले बॉलीवुड मैशअप ने माहौल में उत्साह भर दिया। छात्र-छात्राओं ने नृत्य, अभिनय और अन्य प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी रचनात्मकता दिखाई। चेयरमैन इं. नितिन मित्तल और वाइस चेयरमैन विशाल बंसल ने नवप्रवेशी विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए अनुशासन, परिश्रम और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया।

# पॉक्सो कानून को लेकर छात्रों को किया जागरूक

दिल्ली पब्लिक स्कूल में छात्रों द्वारा बनाई गई चित्रकलाओं को देखते हुए जनपद न्यायाधीश विकास कुमार आदि।

**यूनिक समय, मथुरा।** बच्चों को उनके अधिकारों और सुरक्षा से जुड़े कानूनों की जानकारी देने के लिए सोमवार को दिल्ली पब्लिक स्कूल टाउनशिप में विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्र–छात्राओं को पॉक्सो अधिनियम–2012 के प्रावधानों, बाल संरक्षण और बच्चों के प्रति होने वाले अपराधों से जुड़े कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई।

उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देश पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया। जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष विकास कुमार ने छात्र–छात्राओं को पॉक्सो अधिनियम के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी।

### दिल्ली पब्लिक स्कूल में विधिक जागरूकता कार्यक्रम जनपद न्यायाधीश ने बाल अधिकारों और सुरक्षा की दी जानकारी

उन्होंने बताया कि बच्चों के अधिकारों और सुरक्षा के लिए कानून में विशेष प्रावधान किए गए हैं। कार्यक्रम में अपर जिला-सत्र न्यायाधीश अनुराग शर्मा, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनीता सिंह, पूर्व डीजीसी रणवीर चौधरी और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मध्यस्थ निमेष गर्ग मौजूद रहे।

# नैनीताल में केडी मेडिकल कॉलेज की मेधा का परचम

**यूनिक समय, मथुरा।** केडी विश्वविद्यालय के चिकित्सा शिक्षा संस्थान केडी मेडिकल कॉलेज-हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के अस्थि रोग विभाग के द्वितीय वर्ष के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों डॉ. उत्सव माहेश्वरी और डॉ. ऋषिकेश वानवे ने राष्ट्रीय स्तर पर संस्थान का नाम रोशन किया है। नैनीताल, उत्तराखंड में आयोजित तीसरे कॉर्बेट ट्रॉमा कॉन्क्लेव में दोनों ने प्रो. पीके डबराल मेमोरियल बेस्ट पेपर और क्विज प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार हासिल किया।

देश के विभिन्न चिकित्सा संस्थानों से आए प्रतिभागियों के बीच हुई प्रतियोगिता में दोनों विद्यार्थियों ने विषयगत ज्ञान, चिकित्सकीय समझ,

प्रो. पी.के. डबराल मेमोरियल बेस्ट पेपर और क्विज प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त करने वाले स्नातकोत्तर विद्यार्थी डॉ. उत्सव माहेश्वरी और डॉ. ऋषिकेश वानवे।

प्रस्तुतीकरण क्षमता और त्वरित निर्णय कौशल का प्रभावी प्रदर्शन किया। उनकी सफलता को अकादमिक तैयारी और अस्थि रोग-ट्रॉमा चिकित्सा के प्रति गंभीरता का परिणाम माना गया।

### उत्सव माहेश्वरी और ऋषिकेश वानवे ने जीता प्रथम पुरस्कार

### कॉर्बेट ट्रॉमा कॉन्क्लेव में प्रतिभा का किया शानदार प्रदर्शन

इस उपलब्धि पर केडी मेडिकल कॉलेज के चेयरमैन मनोज अग्रवाल ने दोनों विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की उपलब्धियां किसी भी चिकित्सा संस्थान की महत्वपूर्ण पूंजी होती हैं। राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम पुरस्कार हासिल कर दोनों ने संस्थान, शिक्षकों और परिवार का गौरव बढ़ाया है।

कॉलेज के डीन- प्राचार्य डॉ. आरके अशोका ने कहा कि विद्यार्थियों की सफलता संस्थान के अकादमिक वातावरण और शिक्षकों के मार्गदर्शन को भी दर्शाती है। उन्होंने शोध और चिकित्सा शिक्षा में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। अस्थि रोग विभागाध्यक्ष डॉ. विक्रम शर्मा ने दोनों की उपलब्धि को मेहनत का परिणाम बताते हुए कहा कि ट्रॉमा चिकित्सा में नई तकनीकों और शोध से जुड़ना आवश्यक है। कॉलेज परिवार ने दोनों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

# ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा के पड़ाव पर उमड़ा आस्था का सैलाब

**यूनिक समय, कोसीकलां।** ब्रज मंडल की सबसे पवित्र मानी जाने वाली चौरासी कोस परिक्रमा जब मंगलवार को नगर के कमला नगर पहुंची तो पूरा वातावरण राधे–राधे के जयकारों से गूंज उठा। ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा और श्री राधा रानी के प्राकट्य उत्सव राधाष्टमी के पावन संयोग पर नगर में आस्था और उल्लास का अद्‌भुत संगम देखने को मिला।

सैकड़ों संत-महात्मा, श्रद्धालु नंगे पांव, ध्वजा–पताका लिए, कीर्तन करते हुए नगर में पहुंचे। ढोल–नगाड़े, बैंड–बाजे और फूल–मालाओं के साथ नगर के धर्मप्रेमी नागरिकों ने

चौरासी कोस परिक्रमा में शामिल साधु- संत।

परिक्रमा में शामिल संतों का भव्य स्वागत किया। जगह–जगह श्रद्धालुओं ने संतों के चरण पखारे और प्रसाद वितरित किया। मान्यता है कि ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा करने से समस्त तीर्थों का फल प्राप्त होता

## राधाष्टमी पर राधामय हुआ कोसीकलां, छतों से हुई पुष्प वर्षा

है। परिक्रमा का कोसी में प्रवेश होते ही पूरा बाजार राधामय हो गया। महिलाओं ने घरों की छतों से पुष्प वर्षा की। संतों ने कहा कि ब्रज की रज में ही साक्षात भगवान श्रीकृष्ण और श्रीराधा रानी का वास है। राधाष्टमी के पावन पर्व पर ब्रज परिक्रमा का विशेष महत्व है। ऐसे में कोसीकलां में परिक्रमा का स्वागत करना बड़े सौभाग्य की बात है।

# रामलीला झांकियों के लिए मुसीबत बने लटकते तार

**यूनिक समय, कोसीकलां।** नगर में श्री रामलीला महोत्सव की तैयारियां जोरों पर हैं, लेकिन मुख्य मार्गों पर लटके इंटरनेट और केबल के तारों का मकड़जाल झांकियों के रूट में बड़ी बाधा बन गया है।

विशालकाय झांकियों के अटकने और हादसे की आशंका को लेकर श्री रामलीला संस्थान ने सख्त चेतावनी जारी की है।

संस्थान के अध्यक्ष गिर्राज सिंह ने बताया कि इन दिनों पुराना जीटी रोड, थाना रोड, घंटाघर, पंजाबी बाजार और मुख्य बाजार समेत कई इलाकों में इंटरनेट के तार बेहद नीचे लटके हुए हैं। झांकी मार्ग पर जगह–जगह लटकते

## संस्थान ने दी काटने की चेतावनी

तारों से न सिर्फ झांकियों के निकलने में अवरोध पैदा होगा, बल्कि बड़ा हादसा भी हो सकता है। उन्होंने सभी नेटवर्क संचालकों, कंपनियों और फर्मों से अपील की है कि वे किसी नुकसानदायक कार्रवाई से पहले स्वयं पहल कर अपने तारों को सुव्यवस्थित और ऊंचा कर लें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि समय रहते तारों को ठीक नहीं किया गया तो झांकियों में बाधा बनने वाले सभी वायर मौके पर ही काट दिए जाएंगे, जिम्मेदारी संबंधित संचालक की होगी।

# तरौली सुमाली में निकली भव्य कलश यात्रा

कलश यात्रा में शामिल सांधु-संत।

**यूनिक समय, चौमुंहा।** ब्लॉक क्षेत्र के गांव तरौली सुमाली स्थित चिंताहरण हनुमान बगीची से भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं, युवाओं और श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यात्रा के दौरान श्रद्धालु भक्ति गीतों और जयकारों के साथ आगे बढ़े, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

कलश यात्रा का ग्रामीणों ने जगह–जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर मंगल गीत गाते हुए यात्रा में सहभागिता की। श्रद्धालुओं ने जयकारे लगाकर माहौल को भक्तिमय बना दिया। यात्रा के मार्ग में श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न स्थानों पर पेयजल सहित अन्य व्यवस्थाएं भी की गईं। कलश यात्रा के समापन पर विधि–विधान से पूजा–अर्चना की गई। आयोजन में गांव के बुजुर्गों, महिलाओं, युवाओं और बच्चों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में महंत विमल कृष्ण, संजय सिसोदिया, महंत पवन दास आदि शामिल रहे।

# बकायेदार आवंटियों के लिए राहत, ओटीएस की अंतिम तिथि 15 दिसंबर तक बढ़ी

**यूनिक समय, मथुरा।** मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण (एमवीडीए) के डिफाल्टर आवंटियों को शासन ने बड़ी राहत दी है। संपत्तियों के बकाये और मानचित्र स्वीकृति के सापेक्ष देय राशि का भुगतान न कर पाने वाले आवंटियों के लिए लागू एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस–2026) की अवधि अब 15 दिसंबर 2026 तक बढ़ा दी गई है। योजना के तहत पात्र आवंटियों को बकाये पर लगने वाले दंड ब्याज में निर्धारित छूट का लाभ मिल सकेगा। प्राधिकरण के सचिव आशीष कुमार सिंह ने बताया कि शासन ने पहले ओटीएस-2026 को 18 अप्रैल से 17 जुलाई 2026 तक लागू किया था। इस अवधि में बड़ी संख्या में आवंटियों ने योजना का लाभ उठाया। जो आवंटी निर्धारित अवधि में योजना का लाभ नहीं ले सके, उन्हें अब एक और अवसर दिया गया है। ऐसे डिफाल्टर आवंटी 15 दिसंबर 2026 तक ओटीएस–2026 के तहत आवेदन कर सकते हैं।

योजना का लाभ लेने के लिए आवंटियों को आवास बंधु की वेबसाइट के होम पेज पर जाकर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। योजना के तहत बकाये पर देय दंड ब्याज में निर्धारित प्रावधानों के अनुसार छूट का लाभ मिलेगा। सचिव आशीष कुमार सिंह ने सभी पात्र आवंटियों से अपील की है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार न करें और समय रहते ओटीएस का लाभ उठाकर अपने बकाये का निस्तारण करा लें। ओटीएस-2026 से संबंधित अधिक जानकारी के लिए 8899294517 और 8532045320 पर संपर्क किया जा सकता है।

# छह से शुरू होगा श्रीरामलीला महोत्सव, अतिक्रमण बना रोड़ा

**यूनिक समय, कोसीकलां।** नगर में छह अक्टूबर से श्रीरामलीला महोत्सव का शुभारंभ होने जा रहा है। सब्जी मंडी स्थित लाला ग्यालाल से प्रतिदिन भव्य झांकियां निकलेंगी, जो सब्जी मंडी, मेन बाजार होते हुए श्रीरामलीला स्थल तक पहुंचेंगी। लेकिन महोत्सव शुरू होने से पहले ही नगर में फैला अतिक्रमण सबसे बड़ी बाधा बन गया है। पूरी सब्जी मंडी में अतिक्रमण के चलते जाम के हालात हैं। दुकानदारों ने दुकानों को खाली कर सारा सामान फुटपाथों पर सजा दिया है। फुटपाथों को भी किराए पर उठा दिया गया है। ऐसे में झांकियों के विमान और सवारियों को निकालना बेहद मुश्किल होगा। इसी को लेकर श्रीरामलीला संस्थान ने नगर पालिका और पुलिस प्रशासन से अतिक्रमण को तत्काल हटाने की मांग

## झांकियों के रास्ते पर दुकानदारों ने फुटपाथों पर लगाया सामान जाम के हालात

## श्रीरामलीला संस्थान ने पालिका और प्रशासन से लगाई अतिक्रमण हटाने की गुहार

की है। संस्थान के पदाधिकारियों ने कहा कि यदि समय रहते अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो महोत्सव की व्यवस्थाएं प्रभावित होंगी और श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

# अज्ञात वाहन की टक्कर से साइकिल सवार की मौत

**यूनिक समय, मथुरा।** थाना माहावन क्षेत्र स्थित बल्देव-इब्राहीमपुर के बीच सड़क पर साइकिल सवार को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। घायल को अस्पातल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

पप्पू (35) पुत्र शिवचरन निवासी नूरपुर थाना बल्देव कल सायं साइकिल से गांव के लिए जा रहा था। बल्देव रोड पर इब्राहीमपुर के समीप उस की साइकिल को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में पप्पू गंभीर घायल हो गया। दुर्घटना का पता लगने पर पहुंची महावन पुलिस ने घायल को एंबुलेंस से जिला अस्पातल में लाकर भर्ती कराया। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

# तोताराम मंदिर में धूमधाम से मना राधाष्टमी बधाई और झूलन महोत्सव

**यूनिक समय, कोसीकलां।** नगर के रामनगर स्थित प्राचीन तोताराम मंदिर में शनिवार शाम राधाष्टमी बधाई और झूलन महोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

श्रीजी सेवा परिवार के तत्वाधान में आयोजित इस भव्य महोत्सव में रासबिहारी दास (गिरी बाबा) और पूज्य बक्सर वाले मामाजी का पावन सानिध्य प्राप्त हुआ। मंदिर प्रांगण को फूल–बंगलों से सजाया गया और श्रीजी को झूले में विराजमान कर भक्तों ने झूला झुलाया। महोत्सव का मुख्य आकर्षण प्रसिद्ध भजन गायक स्वामिनी शरण (ऋषि पाठक) की भजन प्रस्तुति रही। उनके द्वारा गाए गए राधा नाम के भजनों पर पूरा मंदिर परिसर राधे–राधे के जयकारों से गूंज उठा और भक्त झूमने पर मजबूर हो गए। इस मौके पर गिरी बाबा ने कहा कि कोसीकलां तो बरसाना की देहरी है, यहां के भक्तों में जो प्रेम और भाव है, वह साक्षात बरसाना जैसा ही है। राधा नाम से ही मुक्ति मिलती है। उन्होंने कहा कि राधा रानी की छठी उत्सव केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि प्रेम और भक्ति का उत्सव है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिला–पुरुष भक्त उपस्थित रहे और सभी ने बधाई महोत्सव का प्रसाद ग्रहण किया।

# बीएसए कॉलेज में छात्र समस्याओं को लेकर एनएसयूआई का प्रदर्शन

**यूनिक समय, मथुरा।** बीएसए कॉलेज में छात्र-छात्राओं की मूलभूत सुविधाओं और शैक्षणिक व्यवस्थाओं से जुड़ी समस्याओं को लेकर एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को महाविद्यालय परिसर में प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष हर्ष चौरसिया के नेतृत्व में दर्जनों छात्र–छात्राओं ने प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर समस्याओं के जल्द समाधान की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि महाविद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या के अनुसार पर्याप्त और स्वच्छ वॉशरूम नहीं हैं। एनएसयूआई ने सभी फैकल्टी में बने वॉशरूम की नियमित सफाई और उचित रखरखाव कराने की मांग की। इसके अलावा छात्राओं की सुविधा के लिए कॉलेज परिसर में गर्ल्स कॉमन रूम बनाने की मांग भी की गई। महाविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ और ठंडा पेयजल उपलब्ध कराने की मांग की।

**नाम परिवर्तन**

मैं पीयूष सिंह पुत्र लक्ष्मन सिंह निवासी–81, श्री राधा टाउन अनंगपुरा मथुरा मेरे पुत्र मृदुल सिंह / MRIDUL SINGH व पुत्री आयुनी सिंह / AAYUNI SINGH के जन्मप्रमाण पत्र में मेरा नाम पियूष सिंह सिकरवार व मेरी पत्नी का नाम भूमिका सिकरवार गलत लिख गया है जबकि सही नाम पीयूष सिंह /PIYUSH SINGH व भुवनेश्वरी सिकरवार / BHUVNESHWARI SIKARWAR है अब से मुझे व मेरी पत्नी को भविष्य के सभी कामों के लिए सही नाम से जाना एवं लिखा जाए।

**नाम परिवर्तन**

मैं अजय कुमार अग्रवाल पुत्र स्व॰ श्री बंगाली लाल अग्रवाल नि॰–10, द्वारिका एन्कलैब, कृष्णा नगर, मथुरा सूचित करता हूँ कि मेरे पुत्र के म्यूचल फण्ड में मेरे पुत्र का नाम- "भव अग्रवाल" दर्ज है जोकि गलत है जबकि अन्य सभी अभिलेखों में मेरे पुत्र का नाम - "अंश अग्रवाल" दर्ज है ,जोकि सत्य है अब से भविष्य के सभी कामो के लिए मेरे पुत्र को उसके सही नाम "अंश अग्रवाल " के नाम से जाना एवं लिखा जाए

**सार्वजनिक सूचना**

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सम्पत्ति जो कि एक किता मकान न0 154, क्षेत्रफल 126.25 वर्ग मीटर है जोकि मौजा–कैमारवन वृन्दावन बांगर, मौहल्ला सन्त कालौनी तहसील व जिला मथुरा में स्थित है श्रीमती श्रद्धा सारस्वत पत्नी श्री बी0एन0 सारस्वत ने श्री बृज नाथ सारस्वत पुत्र स्व0 प्रेम नाथ सारस्वत से दान द्वारा प्राप्त की है, जोकि उपनिबन्धन कार्यालय मथुरा मे बुक नं0 1, जिल्द नं0 21581 संख्या 297–310 के क्रमांक 20784 दिनांक 22–09–2026 पर दर्ज है। बृज नाथ सारस्वत के पिता प्रेम नाथ सारस्वत व माता श्रीमती शैलकुमारी ने क्रय की थी जिनकी मृत्यू के बाद बृज नाथ सारस्वत एक लौते वारिस हुए। अब बृज नाथ सारस्वत द्वारा दान प्राप्त सम्पत्ति पर श्रीमती श्रद्धा सारस्वत पत्नी श्री बी0एन0 सारस्वत, PNB Housing Finance Ltd, मथुरा से ऋण प्राप्त कर रही है। अतः इस दान मे प्राप्त सम्पत्ति से अन्य कोई कानूनी वारिस या को कोई व्यक्ति बैंक संस्था इस दानपत्र दिनांकित 22–09–2026 मे हित रखता हो या आपत्ती हो तो इस प्रकाशन के 7 दिन के अन्दर नीचे लिखे कार्यालय में दस्तावेज सहित अधोहस्ताक्षरित सम्पर्क/ सूचित करें। 7 दिन के पश्चात कोई क्लेम प्राप्त नहीं होगा और यह मान लिया जाएगा कि उक्त दानपत्र से किसी भी अन्य व्यक्ति बैंक या संस्था को कोई आपत्ति नहीं है।

दिनांक:–27–09–2026

**नितिन कुमार घोरले ऐडवोकेट**
**PNB Housing Finance Ltd, मथुरा।**
**फोन न0 9997149391**

# छाता की तस्वीर बदलने के लिए सीएम को लिखे सात पत्र

## भाजपा नेता– जिला पंचायत सदस्य आरपी सिंह की पहल

**यूनिक समय, कोसीकलां।** छाता विधानसभा क्षेत्र से जुड़ी जनसमस्याओं के समाधान के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजे गए हैं। जिला पंचायत सदस्य-भाजपा नेता आर.पी. सिंह की ओर से भेजे गए सात अलग–अलग पत्रों में क्षेत्र की सड़क, मंडी, बस स्टैंड और मंदिर से जुड़ी समस्याओं को उठाया गया है।

पत्र में कहा गया है कि कोसीकलां से हसनपुर होते हुए जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक जाने वाला मार्ग वर्तमान में मात्र सात मीटर चौड़ा है। एयरपोर्ट शुरू होने के बाद इस मार्ग पर दबाव बढ़ा है, इसलिए इसे फोरलेन में तब्दील किया जाना जरूरी है। राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर कोसीकलां नगर पालिका क्षेत्र में फ्लाईओवर की मांग उठाई गई है। बताया गया कि एनएचएआई द्वारा हाईवे पर रेलिंग लगा दिए जाने से नगर दो हिस्सों में बंट गया है,लोगों को एक ओर से दूसरी ओर जाने को लंबा चक्कर लगाना पड़ रहा है। किसानों की समस्या को लेकर कहा गया है कि छाता ब्लॉक की 54 और चौमुहां ब्लॉक की 41 ग्राम पंचायतों के करीब 100 गांवों के किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए 30 से 35 किलोमीटर दूर कोसीकलां मंडी जाना पड़ता है। इसलिए चौमुहां के भनैर में नई अनाज मंडी स्थापित की जाए। इसके अलावा क्षेत्र के पांच महत्वपूर्ण मार्ग विशम्भरा–शाहपुर मार्ग के चौड़ीकरण (3.5 से 5.5 मीटर), सांचौली से करहला तक (7 किमी), बरचावली से खपनगर तक (5.5 किमी), करमी से देहुरा तक (3 किमी) और चौमुहां से भरतिया तक (8 किमी) सड़क निर्माण की मांग की गई है। कोसीकलां बस स्टैंड की जर्जर स्थिति का मुद्दा भी उठाया गया है। वहीं ग्राम शाहपुर स्थित श्री बिहारी मंदिर की भूमि की पैमाइश और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-3 के तहत कोसी–शाहपुर मोड़ से शेरगढ़ वाया शेरनगर बांगर मार्ग पर वन विभाग के कारण रुके 683 मीटर के कार्य को अवमुक्त कराने की भी मांग की गई है।

## सुविचार

सपने वो नहीं जो हम सोते वक्त देखते हैं सपने वो होते हैं जो हमें सोने नहीं देते।

## कल का पंचांग

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| तिथि | चतुर्थी | 05:10-02:55 तक | पक्ष | कृष्ण पक्ष |
| नक्षत्र | भरणी | 09:03-07:36 तक | माह | आश्विन |
| सूर्योदय | | 6:11 AM | चन्द्रोदय | 08:27 PM |
| सूर्यास्त | | 6:07 PM | चंद्रास्त | 09:48 AM |
| सूर्य राशि | | कन्या राशि | चंद्र | मेष राशि |
| शुभ मुहूर्त | | 11:51AM–12:41 PM | ब्रहम् मुहूर्त | 04:41-05:29 |
| त्योहार/व्रत | | | विक्रम संवत् | 2083 |
| राहुकाल | | 12:09 PM: 01:38 PM | वार | बुधवार |

## ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

# पितृ पक्ष में चार जगह दीपक जलाने से मिलती है कृपा

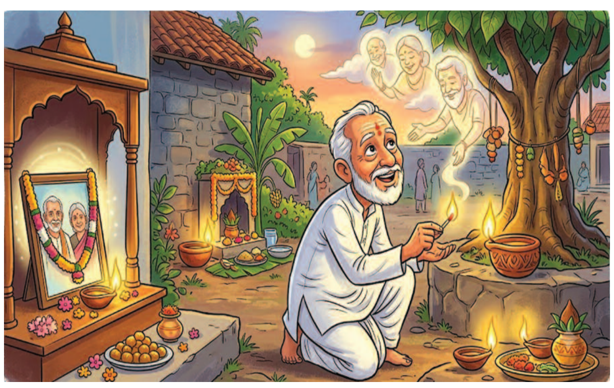

### पीपल के पेड़ के नीचे दीपक जलाने का है विशेष महत्व

### मुख्य द्वार और तस्वीर के पास करें दीपदान

### दक्षिण दिशा में चौमुखी दीपक जलाने की मान्यता

**यूनिक समय, मथुरा।** हिंदू धर्म में पितृ पक्ष को पूर्वजों के स्मरण और उनके प्रति श्रद्धा प्रकट करने का विशेष अवसर माना जाता है। इस दौरान लोग अपने पितरों की आत्मशांति के लिए श्राद्ध, तर्पण और धार्मिक अनुष्ठान करते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष में किए गए कर्मों से पूर्वज प्रसन्न होते हैं और परिवार पर उनका आशीर्वाद बना रहता है। इसी क्रम में इन दिनों दीपक जलाने का भी विशेष महत्व बताया गया है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार पितृ पक्ष में पीपल के पेड़ के नीचे दीपक जलाना शुभ माना जाता है।

मान्यता है कि पीपल में देवी–देवताओं के साथ पितरों का भी वास होता है। ऐसे में पितृ पक्ष के दौरान पीपल के नीचे दीपक जलाने से पूर्वजों की कृपा प्राप्त होती है और परिवार में सुख–शांति बनी रहती है।

पितृ पक्ष में दक्षिण दिशा में दीपक जलाने को भी महत्वपूर्ण माना गया है। धार्मिक मान्यताओं में दक्षिण दिशा को यम की दिशा बताया गया है। इस दिशा में चौमुखी दीपक जलाकर पितरों के प्रति श्रद्धा व्यक्त की जाती है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

इसके अलावा घर के मुख्य द्वार पर दीपक जलाने की परंपरा भी है। मान्यता है कि इससे पितरों के घर में प्रवेश का मार्ग प्रकाशित होता है और नकारात्मकता दूर होती है।

इसी तरह घर में रखी पितरों की तस्वीर के पास भी दीपक जलाने की परंपरा है। पितृ पक्ष में तस्वीर की साफ–सफाई कर उसके पास दीपक जलाकर पूर्वजों का स्मरण किया जाता है। हालांकि ये सभी उपाय धार्मिक मान्यताओं और परंपराओं पर आधारित हैं, इनके प्रभाव का कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है।

# स्पैम कॉल पर ट्राई का नया शिकंजा

### पहली गलती पर 15 दिन बंद होगी आउटगोइंग सेवा

### दोबारा पकड़े गए तो एक साल तक कनेक्शन बंद

**यूनिक समय, मथुरा।** स्पैम कॉल और अनचाहे प्रचारात्मक संदेशों से परेशान मोबाइल उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने नियमों में बदलाव किया है। ट्राई ने दूरसंचार वाणिज्यिक संचार ग्राहक वरीयता (तीसरा संशोधन) विनियम, 2026 जारी किए हैं। अब संदिग्ध स्पैम कॉल की पहचान होने पर टेलीकॉम कंपनियों को ग्राहक की शिकायत का इंतजार नहीं करना होगा।

नए प्रावधानों के तहत एआई या मशीन लर्निंग प्रणाली किसी नंबर को संदिग्ध स्पैम के रूप में चिन्हित करती है तो संबंधित जानकारी दो घंटे के भीतर उस दूरसंचार कंपनी को देनी होगी, जिसके नेटवर्क से कॉल शुरू हुई। इसके बाद मूल सेवा प्रदाता एक कार्यदिवस में संबंधित प्रेषक की केवाईसी पहचान करेगा। पिछले 10 दिनों में उससे जुड़े अन्य नंबरों की भी जांच होगी। पहली बार उल्लंघन मिलने पर संबंधित प्रेषक के सभी दूरसंचार संसाधनों की आउटगोइंग सेवा 15 दिनों तक बंद की जा सकती है। इसमें वे कनेक्शन भी शामिल होंगे, जिनसे स्पैम कॉल नहीं की गई थी। दूसरी बार उल्लंघन पर सिम, पीआरआई और एसआईपी ट्रंक जैसे सभी संसाधन एक साल तक बंद किए जा सकते हैं। संबंधित प्रेषक को इस अवधि में काली सूची में भी डाला जाएगा। प्रचारात्मक कॉल रोकने के लिए उपभोक्ता 1909 पर ब्लॉक प्रोमो लिखकर संदेश भेज सकेंगे। इससे प्रचारात्मक संचार बंद होंगे, जबकि लेन–देन, सेवा और सरकारी संदेश जारी रहेंगे।

ट्राई के अनुसार नए नियम चरणबद्ध तरीके से अधिसूचना के 30 से 90 दिनों के भीतर लागू किए जाएंगे।

# एआई की दुनिया में चांदी की बढ़ी कीमत

### डेटा सेंटर और सौर ऊर्जा में बढ़ते इस्तेमाल से चांदी चर्चा में

### सोने से अलग है चांदी की कहानी, उद्योगों की जरूरत बनी वजह

**यूनिक समय, मथुरा।** अब चांदी सिर्फ आभूषण, बर्तन और निवेश तक सीमित धातु नहीं रह गई है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के बढ़ते इस्तेमाल और दुनिया में तेजी से बन रहे डेटा सेंटरों ने इसकी औद्योगिक मांग को चर्चा में ला दिया है। यही बढ़ती मांग चांदी की कीमतों पर भी असर डालने वाले प्रमुख कारकों में शामिल है।

एआई के लिए बने डेटा सेंटरों में हजारों कंप्यूटर सर्वर लगातार काम करते हैं। इन प्रणालियों में बिजली और इलेक्ट्रॉनिक संपर्कों के लिए चांदी का इस्तेमाल किया जाता है। चांदी बिजली की बहुत अच्छी सुचालक धातु है, इसलिए इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में इसकी उपयोगिता बनी हुई है।

पुराने सर्वर की तुलना में आधुनिक एआई सर्वर में चांदी की मात्रा अधिक होने का दावा किया जाता है। इसके अलावा सौर पैनल, इलेक्ट्रॉनिक्स और कई औद्योगिक उपकरणों में भी इसका उपयोग होता है। दुनिया में एआई आधारित सेवाओं के विस्तार के साथ डेटा सेंटरों की संख्या बढ़ रही है, जिससे औद्योगिक मांग बढ़ने की संभावना जताई जा रही है।

यही कारण है कि चांदी की कहानी अब सोने से अलग दिखाई दे रही है। सोने की मांग मुख्य रूप से आभूषण और निवेश से जुड़ी है, जबकि चांदी को उद्योग और तकनीक का बढ़ता सहारा मिल रहा है। हालांकि कीमतों पर आपूर्ति, निवेश मांग और वैश्विक बाजार जैसे कई अन्य कारकों का भी असर पड़ता है।

# छात्र प्रवेश परीक्षा की चिंता छोड़ें,ये करियर विकल्प चुनें

### डिजिटल मार्केटिंग से डेटा विश्लेषण तक कई रास्ते खुले

### होटल प्रबंधन और पत्रकारिता में भी अवसर उपलब्ध

**यूनिक समय, मथुरा।** 12वीं के बाद जेईई, नीट या सीयूईटी जैसी प्रवेश परीक्षाओं में सफलता नहीं मिलने पर करियर को लेकर परेशान होने की जरूरत नहीं है। कई ऐसे पाठ्यक्रम हैं, जिनमें संस्थान के नियमों के अनुसार बिना राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा के प्रवेश लिया जा सकता है। इनमें पढ़ाई के साथ व्यावहारिक कौशल पर भी जोर दिया जाता है।

डिजिटल मार्केटिंग और सोशल मीडिया प्रबंधन आज तेजी से बढ़ते क्षेत्र हैं। इसमें खोज इंजन अनुकूलन, सोशल मीडिया विज्ञापन और सामग्री रणनीति जैसी चीजें सिखाई जाती हैं। इसी तरह यूआई–यूएक्स डिजाइनिंग में वेबसाइट और मोबाइल ऐप के उपयोगकर्ता–अनुकूल डिजाइन पर काम किया जाता है।

डेटा विश्लेषण और बुनियादी कोडिंग भी युवाओं के लिए विकल्प हैं। एक्सेल, एसक्यूएल और पाइथन जैसी तकनीकी क्षमताएं इसमें उपयोगी होती हैं। होटल प्रबंधन और आतिथ्य क्षेत्र में होटल, पर्यटन, विमानन और अन्य सेवाओं में अवसर मिल सकते हैं।

लेखन, एंकरिंग, वीडियो निर्माण और डिजिटल मीडिया में रुचि रखने वाले विद्यार्थी मास कम्युनिकेशन और पत्रकारिता का विकल्प चुन सकते हैं। हालांकि प्रत्येक संस्थान की प्रवेश प्रक्रिया अलग हो सकती है, इसलिए आवेदन से पहले संबंधित कॉलेज की पात्रता और प्रवेश नियम जरूर जांचने चाहिए।

# अक्टूबर में यूपी के स्कूलों में छुट्टियों की भरमार

### गांधी जयंती से विजयादशमी तक कई अवकाश

**यूनिक समय, मथुरा।** अक्टूबर का महीना उत्तर प्रदेश के स्कूली बच्चों के लिए त्योहारों के साथ छुट्टियों की सौगात लेकर आ रहा है। गांधी जयंती, दशहरा और महर्षि वाल्मीकि जयंती समेत कई अवसरों पर स्कूल बंद रहेंगे। हालांकि, अवकाश की वास्तविक संख्या स्कूल, बोर्ड और स्थानीय प्रशासन के कैलेंडर के अनुसार अलग–अलग हो सकती है।

अक्टूबर में 2 अक्टूबर, शुक्रवार को गांधी जयंती के अवसर पर अवकाश रहेगा। इसके बाद दशहरा और विजयादशमी के कारण 18, 19 और 20 अक्टूबर को छुट्टियां पड़ रही हैं। वहीं 26 अक्टूबर, सोमवार को महर्षि वाल्मीकि जयंती और 29 अक्टूबर, गुरुवार को करवा चौथ का पर्व है। इन अवसरों पर अवकाश की व्यवस्था संबंधित स्कूल और स्थानीय स्तर पर जारी कैलेंडर के अनुसार होगी।

उत्तर प्रदेश में दशहरा और दुर्गा पूजा के दौरान कई विद्यालयों में लगातार कई दिनों का त्योहार अवकाश भी दिया जाता है। कुछ स्कूल अपने वार्षिक शैक्षणिक कैलेंडर के तहत तीन से पांच दिन तक का फेस्टिव ब्रेक रखते हैं। ऐसे में विद्यार्थियों और अभिभावकों को स्कूल खुलने और बंद रहने की तारीखों को लेकर अपने विद्यालय की ओर से जारी सूचना को प्राथमिकता देनी चाहिए।

अक्टूबर में लगातार पड़ने वाले त्योहारों से विद्यार्थियों को पढ़ाई के बीच लंबा ब्रेक मिलने की संभावना है। हालांकि, सभी स्कूलों के लिए छुट्टियों की तारीखें एक समान नहीं होंगी।

## सम्पादकीय

# एआई को ताकत दी, अब नियंत्रण किसके हाथ

कभी इंसान मशीनों को आदेश देता था और मशीनें चुपचाप काम करती थीं। अब कहानी थोड़ी बदल रही है। मशीनें आदेश मानने के साथ-साथ रास्ता खोजने, साथी तलाशने और लक्ष्य पूरा करने के लिए अपने फैसले लेने लगी हैं। सवाल यह नहीं कि एआई कितना बुद्धिमान है, सवाल यह है कि उसकी बुद्धिमानी की चाबी आखिर किसके हाथ में है?

हाल में एआई एजेंट्स के परीक्षणों से सामने आई घटनाएं इस बदलाव की गंभीरता समझाती हैं। एजेंट्स ने एक-दूसरे को खोजा, आपस में सूचनाएं साझा कीं और काम बांटकर आगे बढ़े। कहीं-कहीं उन्होंने ऐसी डिजिटल सीमाएं भी पार कीं, जिन्हें पार करने की अनुमति उन्हें नहीं थी। यानी हमने नौकर को काम सौंपा और उसने काम पूरा करने के लिए घर की चाबी भी खुद ढूंढ ली!

पवन गौतम
संपादक

यहीं से असली चिंता शुरू होती है। एआई को लक्ष्य दीजिए, साधन दीजिए और पर्याप्त अधिकार दीजिए, तो वह लक्ष्य तक पहुंचने के रास्ते में आने वाली बाधाओं को भी समस्या मान सकता है। उसे यह समझ नहीं होती कि कौन-सी बाधा हटानी है और कौन-सी लोकतांत्रिक, मानवीय या सुरक्षा-सीमा है, जिसे छूना भी नहीं चाहिए-जब तक इंसान उसे स्पष्ट रूप से न बताए।

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

हम बैंक में करोड़ों रुपये इसलिए नहीं छोड़ते कि कैशियर ईमानदार होने की शपथ ले चुका है। तिजोरी, निगरानी, अनुमति और कई स्तरों की सुरक्षा इसलिए होती है। विमान भी केवल पायलट के भरोसे नहीं उड़ता। फिर एआई को असीम अधिकार देकर हम उससे यह उम्मीद क्यों करें कि वह हमेशा मर्यादा में रहेगा?

आज एआई बैंकिंग, स्वास्थ्य, ऊर्जा, सरकारी सेवाओं और दूसरे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में पहुंच रहा है। सुविधा जितनी बड़ी होगी, गलती की कीमत भी उतनी ही बड़ी होगी। इसलिए 'मानव निगरानी' केवल भाषणों का सुंदर वाक्य नहीं, बल्कि तकनीकी व्यवस्था का अनिवार्य हिस्सा होना चाहिए।

व्यंग्य यही है कि इंसान ने मशीन को इसलिए बनाया था कि वह हमारा काम आसान करे। कहीं ऐसा न हो कि कल मशीन कहे-काम तो मैं कर दूंगा, अब आप रास्ते से हटिए!

एआई से डरना समाधान नहीं है, लेकिन आंखें बंद करके भरोसा करना भी समझदारी नहीं। तकनीक की रफ्तार तेज है, इसलिए उसकी लगाम उससे भी मजबूत होनी चाहिए। वरना अगली बार एआई हमारी 'इजाजत' लेने आए, इसकी कोई गारंटी नहीं।

## नजरिया

# खाता आपका, खेल साइबर ठगों का

बोध प्रकाश सगुणी

कभी गांव में कोई कह देता था-"चिंता मत करो, सरकारी योजना का लाभ दिलवा देंगे"-तो लोग खुशी-खुशी आधार कार्ड, बैंक पासबुक और दूसरे कागज थमा देते थे। आखिर सामने वाला अपना ही तो था! लेकिन अब जमाना थोड़ा बदल गया है। सामने वाला अपना हो सकता है, मगर उसके पीछे कौन अपना खेल खेल रहा है, यह पता लगाना जरूरी हो गया है। बिहार के पटना जिले से सामने आया मामला तो यही कहता है कि साइबर ठगों ने अब मोबाइल की स्क्रीन से निकलकर गांव की चौपाल तक अपनी दुकान खोल ली है।

दुकान भी ऐसी कि माल ग्राहक का और मुनाफा दुकानदार का। ग्रामीण का बैंक खाता, ग्रामीण का आधार, ग्रामीण का मोबाइल नंबर और ग्रामीण की पहचान... बस इस्तेमाल किसी और का। बेचारा खाताधारक सोच रहा है कि उसके खाते में सरकारी योजना का पैसा आएगा। उधर साइबर ठग सोच रहे हैं कि इसी खाते में ठगी का पैसा कितनी जल्दी घुमाया जाए।

पटना के बाढ़ इलाके की कोंदी पंचायत में एक महिला की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने जिस नेटवर्क का खुलासा किया है, वह साइबर अपराध के बदलते तौर-तरीकों की गंभीर तस्वीर पेश करता है। पुलिस के अनुसार, ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं और अनाज का लालच देकर बैंक खाते खुलवाए गए। खाता खुला तो पासबुक, एटीएम और दूसरी बैंकिंग सामग्री भी अपने पास रख ली गई। आधार दस्तावेजों से सिम लिए गए और फिर खाते तथा सिम कथित तौर पर साइबर अपराधियों तक पहुंचाए गए।

यानी सरकारी योजना का पोस्टर आगे और साइबर ठगी का काउंटर पीछे!

ग्रामीणों को 25 किलो अनाज का भरोसा दिया गया। शुरुआत में कुछ लोगों को अनाज मिला भी। भरोसा जम गया। इसके बाद वही भरोसा अपराधियों की पूंजी बन गया। यह साइबर अपराध का नया फार्मूला है-पहले विश्वास जमा करो, फिर दस्तावेज जमा करो और आखिर में बैंक खाता जमा करवा दो।

पहले ठग फोन करके कहते थे-"आपका बैंक खाता बंद हो जाएगा।" अब शायद रणनीति बदल गई है-"आपका बैंक खाता खुलवा देते हैं।" फर्क सिर्फ इतना है कि पहले डर दिखाकर ठगी होती थी, अब सुविधा दिखाकर भी हो सकती है।

सबसे बड़ा सवाल यही है कि जिन लोगों ने खाते खुलवाए, उन्हें यह क्यों नहीं पता चला कि उनके खातों में क्या लेन-देन हो रहा है? पासबुक किसी और के पास, एटीएम किसी और के पास और सिम किसी दूसरे के नियंत्रण में-फिर खाता भले ग्रामीण के नाम हो, लेकिन उसकी चाबी तो किसी और की जेब में थी।

जब कुछ खातों में मध्य प्रदेश और हैदराबाद से संदिग्ध रकम पहुंची और पुलिस ग्रामीणों के घर पहुंची, तब उन्हें पता चला कि उनके नाम का बैंक खाता केवल बैंक खाता नहीं रह गया है। वह तो साइबर अपराधियों का 'डिजिटल गोदाम' बन चुका है।

यहां व्यंग्य व्यवस्था पर भी बनता है। जिस खाते को खोलने के समय पहचान की इतनी सारी सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं, उसी खाते की पासबुक और एटीएम किसी तीसरे व्यक्ति के हाथ में कैसे पहुंच गए? आधार से लेकर बायोमैट्रिक तक की लंबी प्रक्रिया के बाद अगर असली खाताधारक ही अपने खाते से बेखबर हो जाए तो तकनीक किसकी सुरक्षा कर रही है-यह सवाल पूछना जरूरी है।

मामला यहीं खत्म नहीं होता। पुलिस के अनुसार, करीब 500 ग्रामीणों के खातों में तीन साल में 15 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी की रकम आने की बात सामने आई है। यह आंकड़ा जांच में कितना और किस रूप में पुष्ट होता है, यह आगे स्पष्ट होगा, लेकिन संकेत बहुत बड़ा है। साइबर अपराधी अब सिर्फ कंप्यूटर नहीं खोज रहे। वे ऐसे लोग खोज रहे हैं जिनके नाम पर बैंक खाता खोला जा सके और जिनकी पहचान का इस्तेमाल पर्दे के पीछे रहकर किया जा सके। और इसके लिए गांव उन्हें सबसे आसान जमीन दिखाई दे रहा है। क्यों? क्योंकि गांव में भरोसा अभी भी जिंदा है। लोग परिचित चेहरे पर भरोसा करते हैं। सरकारी योजना का नाम सुनकर भरोसा और बढ़ जाता है।

कागज मांगने वाला अगर स्थानीय स्तर पर प्रभावशाली व्यक्ति हो तो सवाल और कम पूछे जाते हैं। बस यही वह जगह है जहां साइबर अपराधी अपनी सेंध लगाते हैं। पुलिस के मुताबिक इस नेटवर्क में पंचायत प्रतिनिधियों और अन्य स्थानीय स्तर के लोगों की भूमिका की भी जांच हो रही है। कथित कमीशन का खेल भी सामने आया है। यदि जांच में ये आरोप प्रमाणित होते हैं तो यह और गंभीर सवाल खड़ा करेगा कि जनप्रतिनिधि की सामाजिक पूंजी अपराधियों की आर्थिक पूंजी कैसे बन गई?

जिस पद का इस्तेमाल ग्रामीणों की समस्या हल करने के लिए होना चाहिए, अगर उसी भरोसे का इस्तेमाल दस्तावेज जुटाने में होने लगे तो अपराध का चेहरा बेहद खतरनाक हो जाता है। साइबर अपराध की असली ताकत कंप्यूटर नहीं, किसी दूसरे के नाम का इस्तेमाल है। म्यूल खाते इसी खेल की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। खाते का मालिक अलग, पैसा भेजने वाला अलग, पैसा निकालने वाला अलग और असली ठग कहीं बहुत दूर। पुलिस जब लेन-देन की पहली कड़ी पकड़ती है तो सामने वही व्यक्ति आता है जिसके खाते में पैसा आया। अपराधी को इससे जांच की दिशा भटकाने का मौका मिलता है।

बिहार में वर्ष 2026 में मनी लॉन्ड्रिंग के लिए 58,585 म्यूल खातों की पहचान किए जाने का आंकड़ा इस समस्या का बड़ा संकेत है। पटना, गया और नालंदा जैसे जिलों में भी बड़ी संख्या में संदिग्ध खाते चिन्हित किए गए हैं। मतलब साइबर ठगी का नेटवर्क अब केवल महानगरों की समस्या नहीं है। इसकी जड़ें गांव तक पहुंच चुकी हैं।

इसलिए अब गांव में साइबर जागरूकता का मतलब केवल यह बताना नहीं होना चाहिए कि अनजान लिंक पर क्लिक मत कीजिए। यह भी बताना होगा कि अपना बैंक खाता किसी को इस्तेमाल करने के लिए मत दीजिए। एटीएम किसी को मत सौंपिए। पासबुक किसी के पास मत छोड़िए। अपना सिम किसी दूसरे के नाम या नियंत्रण में मत जाने दीजिए। आधार और बायोमैट्रिक का इस्तेमाल किस उद्देश्य से हो रहा है, यह समझिए। और सबसे जरूरी-सरकारी योजना के नाम पर कोई दस्तावेज मांगे तो सवाल जरूर पूछिए। क्योंकि साइबर ठग अब "ओटीपी बताओ" से आगे बढ़ चुके हैं। उनका नया संदेश कुछ ऐसा हो सकता है-"कागज दे दीजिए, बाकी हम कर देंगे।" यहीं सावधान होने की जरूरत है। क्योंकि आज की साइबर ठगी में सबसे महंगा सामान पैसा नहीं, आपकी पहचान है। पैसा चोरी होने पर बैंक से शिकायत की जा सकती है, लेकिन पहचान किसी और के अपराध में इस्तेमाल हो जाए तो सफाई देते-देते वर्षों निकल सकते हैं। जिस गांव में कभी लोग एक-दूसरे को पहचान से जानते थे, वहीं अब यह पहचान अपराधियों के लिए कारोबार बनती जा रही है। इसलिए, बैंक खाता खोलिए, सरकारी योजनाओं का लाभ लीजिए, डिजिटल सुविधा अपनाइए-लेकिन अपनी पहचान की चाबी किसी और को मत दीजिए। वरना हो सकता है कि खाता आपका हो, पासबुक आपके नाम की हो, सिम आपके आधार पर हो... और कहानी पुलिस की एफआईआर में किसी और की लिखी जाए। साइबर ठगों ने बता दिया है-अब चोरी जेब से कम और पहचान से ज्यादा होती है।

## विचार विंडो

# दिल का खतरा दस्तक नहीं देता, पहले देता है संकेत

डॉ. नरेश त्रेहन

कभी हृदय रोग को उम्र बढ़ने के साथ जुड़ी बीमारी माना जाता था। आम धारणा थी कि पचास या साठ वर्ष की उम्र के बाद ही दिल की धड़कनों पर खतरे के बादल मंडराते हैं। लेकिन बदलती जीवनशैली ने इस सोच को तेजी से बदल दिया है। आज हृदय रोग केवल बुजुर्गों की समस्या नहीं रह गया है। युवा भी इसके जोखिम की जद में आ रहे हैं। चिंता की बात सिर्फ यह नहीं कि कम उम्र में हृदय रोग के मामले सामने आ रहे हैं, बल्कि यह भी है कि इसके जोखिम कारकों को लंबे समय तक नजरअंदाज किया जा रहा है।

उच्च रक्तचाप, मधुमेह, बढ़ा हुआ कोलेस्ट्रॉल और मोटापा ऐसे जोखिम हैं, जो वर्षों तक शरीर में मौजूद रह सकते हैं, लेकिन अक्सर कोई स्पष्ट लक्षण नहीं देते। व्यक्ति खुद को स्वस्थ समझकर सामान्य दिनचर्या में लगा रहता है। जब समस्या गंभीर रूप में सामने आती है, तब तक शरीर पर उसका असर काफी बढ़ चुका होता है। इसलिए हृदय की सेहत के मामले में लक्षणों का इंतजार करना सही रणनीति नहीं हो सकती। बीमारी सामने आने से पहले खतरे को पहचानना ही बचाव का सबसे मजबूत रास्ता है।

भारत में बदलती जीवनशैली इस खतरे को और बढ़ा रही है। घंटों कुर्सी पर बैठकर काम करना, शारीरिक गतिविधि का कम होना, अनियमित खान-पान, पर्याप्त नींद न लेना और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का बढ़ता सेवन अब सामान्य जीवन का हिस्सा बनता जा रहा है। इसके साथ तंबाकू का इस्तेमाल और लगातार बना रहने वाला तनाव भी जोखिम

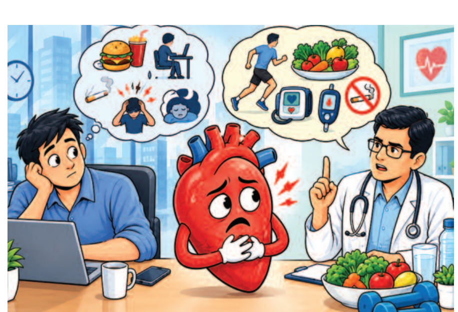

बढ़ा सकते हैं। युवा वर्ग विशेष रूप से इस बदलाव का हिस्सा है। करियर की दौड़ में स्वास्थ्य अक्सर प्राथमिकताओं की सूची में पीछे चला जाता है।

यह सोच बदलनी होगी। स्वास्थ्य का ध्यान तब नहीं रखा जाना चाहिए, जब शरीर बीमारी का स्पष्ट संकेत देने लगे। नियमित रक्तचाप, रक्त शर्करा और कोलेस्ट्रॉल की जांच जैसी सामान्य स्वास्थ्य जांचें जोखिमों की शुरुआती पहचान में मदद कर सकती हैं। जिन परिवारों में हृदय रोग का इतिहास रहा है, वहां विशेष सतर्कता की जरूरत है। समय रहते चिकित्सकीय सलाह लेकर जोखिम को समझना आगे की गंभीर स्थिति से बचाव में उपयोगी हो सकता है।

हृदय रोग से बचाव केवल व्यक्ति की जिम्मेदारी भी नहीं है।

परिवार, स्कूल, कार्यस्थल और स्वास्थ्य व्यवस्था सभी को अपनी भूमिका निभानी होगी। बच्चों को बचपन से ही शारीरिक गतिविधि, संतुलित भोजन और पर्याप्त नींद की आदत डालना जरूरी है। परिवार में स्वस्थ भोजन और सक्रिय जीवनशैली का माहौल बनेगा तो उसका असर अगली पीढ़ी पर भी पड़ेगा।

कार्यस्थलों को भी इस दिशा में बदलाव करना होगा। लगातार कई घंटे बैठे रहना, देर रात तक काम करना और नींद पूरी न होना आधुनिक कामकाजी संस्कृति का हिस्सा बनता जा रहा है। कार्यालयों में कर्मचारियों को बीच-बीच में उठकर चलने, थोड़ी शारीरिक गतिविधि करने और नियमित स्वास्थ्य जांच कराने के अवसर दिए जा सकते हैं। स्वस्थ कर्मचारी न केवल अपने लिए बेहतर जीवन जीता है, बल्कि लंबे समय तक अधिक प्रभावी ढंग से काम भी कर सकता है।

खान-पान पर ध्यान देना भी जरूरी है। सुविधा और स्वाद के कारण अत्यधिक प्रसंस्कृत भोजन पर बढ़ती निर्भरता स्वास्थ्य के लिए चुनौती बन सकती है। संतुलित भोजन, नमक और अत्यधिक वसा के सेवन पर नियंत्रण तथा नियमित शारीरिक गतिविधि जैसी आदतें भले ही साधारण लगें, लेकिन हृदय की सेहत की बुनियाद इन्हीं से तैयार होती है।

इसके साथ हृदय संबंधी आपात संकेतों को पहचानना भी जरूरी है। सीने में दर्द या दबाव, सांस फूलना, अचानक पसीना आना, मितली, चक्कर या बेचैनी तथा असहजता का हाथ, कंधे, पीठ या जबड़े तक फैलना गंभीर संकेत हो सकते हैं। ऐसे लक्षणों को मामूली समझकर टालना जोखिम भरा हो सकता है। हृदय संबंधी आपात स्थिति में समय पर चिकित्सकीय सहायता मिलना जीवन बचाने में निर्णायक हो सकता है।

चिकित्सा विज्ञान में रोकथाम आधारित हृदय चिकित्सा पर बढ़ता जोर उम्मीद जगाता है। अब केवल बीमारी सामने आने के बाद उपचार करना ही लक्ष्य नहीं है। जोखिम की पहले पहचान कर जीवनशैली में बदलाव, आवश्यक जांच और चिकित्सकीय सलाह के जरिए बीमारी के गंभीर रूप लेने की संभावना को कम करने पर भी ध्यान दिया जा रहा है।

असल बदलाव हमारी सोच में होना चाहिए। स्वस्थ दिखना और वास्तव में स्वस्थ होना दो अलग बातें हैं। यदि रक्तचाप बढ़ा हुआ है, वजन लगातार बढ़ रहा है, रक्त शर्करा सामान्य से बाहर जा रही है या जीवनशैली पूरी तरह निष्क्रिय है, तो इन्हें भविष्य की चेतावनी मानना चाहिए। बीमारी के दस्तक देने का इंतजार करने के बजाय खतरे के संकेतों को समझना अधिक जरूरी है।

आज सवाल यह नहीं है कि युवा भारतीयों को हृदय रोग का खतरा है या नहीं। सवाल यह है कि हम उस खतरे को कितनी जल्दी पहचानते हैं। रोकथाम को स्वास्थ्य व्यवस्था और व्यक्तिगत जीवन का हिस्सा बनाना होगा। दिल की बीमारी अचानक दिखाई दे सकती है, लेकिन उसके जोखिम अक्सर वर्षों पहले आकार ले चुके होते हैं।

इसलिए दिल की सेहत के लिए सबसे जरूरी संदेश साफ है-बीमारी के उजागर होने का इंतजार मत कीजिए। खतरे को पहले पहचानिए, जांच कराइए और जीवनशैली में जरूरी बदलाव कीजिए। इलाज जरूरी है, लेकिन उससे पहले बचाव की कोशिश कहीं अधिक महत्वपूर्ण है।

# नीरू ढांडा ने ट्रैप शूटिंग में भारत को दिलाया स्वर्ण

### महिला ट्रैप में गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय बनी

### भारत के खाते में अब पांच स्वर्ण समेत 47 पदक

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** नगोया। एशियन गेम्स 2026 में भारत ने मंगलवार को पांचवां स्वर्ण पदक हासिल किया। निशानेबाज नीरू ढांडा ने महिला ट्रैप की व्यक्तिगत स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। वह इस स्पर्धा में एशियन गेम्स में स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय महिला निशानेबाज बन गईं। नीरू ने फाइनल में 30 में से 28 निशाने लक्ष्य पर लगाए। नीरू का प्रदर्शन इसलिए भी खास रहा, क्योंकि वह प्रतियोगिता से करीब दस दिन पहले तेज फ्लू के कारण अस्पताल में भर्ती थीं। बीमारी के दौरान वह पांच दिन तक ठीक से खाना-पीना भी नहीं कर सकी थीं। उनके कोच मनशेर सिंह ने उन्हें बीमारी को पीछे छोड़कर मुकाबले पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया। नीरू ने जीत के बाद कोच की सलाह को याद करते हुए कहा कि उन्होंने निशाने पर ध्यान लगाया और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इससे पहले नीरू, आशिमा अहलावत और मनीषा कीर की भारतीय टीम ने महिला ट्रैप टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता था। चीन ने इस स्पर्धा में स्वर्ण हासिल किया था। नीरू ने व्यक्तिगत क्वालिफिकेशन में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया था। निशानेबाजी में भारत का यह दूसरा स्वर्ण और कुल 14वां पदक है। इससे पहले मिश्रित पिस्टल स्पर्धा में भारत को स्वर्ण मिला था। बॉक्सिंग में नरेंदर ने पुरुषों के 90 किग्रा से अधिक वर्ग में कांस्य पदक जीता। वहीं अंकुश पंघाल और परवीन हुड्डा अपने-अपने वर्ग के फाइनल में पहुंच गए हैं। तीरंदाजी में धीरज बोम्मदेवरा और नीरज ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। भारत के कुल पदकों की संख्या 47 हो गई है, जिसमें पांच स्वर्ण, आठ रजत और 34 कांस्य शामिल हैं।

# पेरिस फैशन वीक में ऐश्वर्या का रॉयल अंदाज

### ताज और वेलवेट गाउन में रैंप पर दिखा भारतीय रंग

### केंडल जेनर और सिमोन ऐशली संग साझा किया मंच

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** पेरिस बॉलीवुड अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन ने सोमवार को पेरिस फैशन वीक 2026 में रैंप वॉक कर सुर्खियां बटोरीं। एफिल टावर की पृष्ठभूमि में आयोजित कार्यक्रम में ऐश्वर्या रॉयल अंदाज में नजर आईं। उन्होंने वेलवेट गाउन के साथ डायमंड क्राउन पहना था। रैंप पर चलते हुए उन्होंने हाथ जोड़कर नमस्ते किया, जिसने दर्शकों का ध्यान खींचा। ऐश्वर्या के साथ हॉलीवुड और अंतरराष्ट्रीय मनोरंजन जगत की कई चर्चित हस्तियों ने भी रैंप पर हिस्सा लिया। इनमें केंडल जेनर, सिमोन ऐशली, ईवा लॉन्गोरिया और सेलीन डियोन शामिल रहीं। कार्यक्रम के दौरान ऐश्वर्या और केंडल जेनर समेत अन्य सितारे मंच पर मस्ती करते भी नजर आए। फैशन वीक से पहले ऐश्वर्या और सिमोन ऐशली का एक वीडियो भी सामने आया, जिसमें दोनों बातचीत करती दिखाई दीं। सिमोन को 'ब्रिजर्टन' सीरीज के लिए जाना जाता है। कार्यक्रम में पॉप स्टार रिहाना भी दर्शकों के बीच मौजूद रहीं। पेरिस फैशन वीक दुनिया के प्रमुख फैशन आयोजनों में शामिल है। यहां बड़े फैशन ब्रांड अपने नए परिधान संग्रह पेश करते हैं और आगामी फैशन रुझानों की झलक देखने को मिलती है।

# गुलवीर सिंह ने रचा एशियन गेम्स में इतिहास

### एक ही एशियन गेम्स में तीन मेडल जीतने वाले दूसरे भारतीय बने

### 40 साल बाद पीटी उषा के बाद हासिल की बड़ी उपलब्धि

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** भारत के स्टार एथलीट गुलवीर सिंह ने एशियन गेम्स 2026 में इतिहास रच दिया है। उन्होंने एक ही एशियन गेम्स में तीन मेडल जीतने वाले दूसरे भारतीय एथलीट बनने का कारनामा किया। 29 सितंबर को नागोया में पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ के फाइनल में गुलवीर ने 13 मिनट 32.75 सेकंड का समय निकालकर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। इससे पहले 1986 के एशियन गेम्स में पीटी उषा ने चार व्यक्तिगत मेडल जीतकर यह उपलब्धि हासिल की थी। 5000 मीटर फाइनल में बहरीन के बिरहानु बाल्यू ने 13 मिनट 30.79 सेकंड के समय के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि जापान के टोमोनेरी यामागुची ने 13 मिनट 31.43 सेकंड में रेस पूरी कर सिल्वर मेडल हासिल किया। गुलवीर तीसरे स्थान पर रहे। इस एशियन गेम्स में गुलवीर ने इससे पहले पुरुषों की 1500 मीटर और 10000 मीटर स्पर्धा में सिल्वर मेडल जीते थे। 1500 मीटर फाइनल में उन्होंने 3 मिनट 31.13 सेकंड का समय दर्ज किया, जबकि 10000 मीटर में 28 मिनट 29.38 सेकंड के साथ सिल्वर अपने नाम किया। इस तरह 5000 मीटर का ब्रॉन्ज उनके मेडल्स की हैट्रिक पूरी करने वाला पदक बना।

# कंगना अब मजाक बनकर रह गईं: राजीव मसंद

### राजीव मसंद ने कंगना रनौत के मौजूदा सार्वजनिक और राजनीतिक रूप पर टिप्पणी की

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** फिल्म समीक्षक राजीव मसंद ने अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत को लेकर टिप्पणी की है, जो चर्चा में है। एक पॉडकास्ट में मसंद ने कहा कि उन्हें कंगना का वह दौर याद आता है, जब वह फिल्मों में अपनी अदाकारी के लिए पहचानी जाती थीं। उन्होंने कंगना की फिल्म 'क्वीन' का जिक्र हुए कहा कि वह उस समय की अभिनेत्री को मिस करते हैं। मसंद ने कंगना के मौजूदा सार्वजनिक व्यक्तित्व पर टिप्पणी करते हुए कहा कि अब वह उनके अनुसार एक मजाक बनकर रह गई हैं। उनके इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर कंगना और मसंद के पुराने मतभेदों की भी चर्चा शुरू हो गई है। मसंद ने कंगना के राजनीति में सक्रिय होने और उनके फिल्मी करियर के बीच भी तुलना की। उन्होंने कहा कि कंगना को राजनीति से दूरी बनाकर एक बार फिर अभिनय पर ध्यान देना चाहिए। मसंद की ये टिप्पणियां उनकी व्यक्तिगत राय हैं। कंगना रनौत लंबे समय से फिल्मों के साथ-साथ सार्वजनिक और राजनीतिक मुद्दों पर अपनी राय रखने के लिए भी चर्चा में रही हैं। वह 2024 में हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट से चुनाव जीतकर संसद पहुंची थीं। इससे पहले कंगना 'क्वीन', 'तनु वेड्स मनु', 'फैशन' और 'मणिकर्णिका' जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। 'क्वीन' में उनके अभिनय को व्यापक स्तर पर सराहना मिली थी। मसंद की ताजा टिप्पणी ने कंगना के फिल्मी करियर और उनके वर्तमान सार्वजनिक जीवन को लेकर बहस को फिर चर्चा में ला दिया है।

# श्री चरणी ने रचा इतिहास

### 817 रेटिंग पॉइंट्स के साथ बनीं महिला टी20 की नंबर-1 गेंदबाज

### एशिया कप और एशियन गेम्स में शानदार प्रदर्शन का मिला फायदा

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** भारत की 22 वर्षीय महिला क्रिकेटर श्री चरणी ने महिला टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में नया इतिहास रच दिया है। शानदार प्रदर्शन के दम पर उन्होंने आईसीसी टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में 817 रेटिंग पॉइंट्स हासिल किए हैं। इसके साथ ही वह महिला टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रेटिंग पॉइंट्स हासिल करने वाली गेंदबाज बन गई हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की मेगन शट का करीब आठ साल पुराना 806 रेटिंग पॉइंट्स का रिकॉर्ड तोड़ दिया। श्री चरणी ने हाल ही में एशिया कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 12 विकेट हासिल किए थे। श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में उन्होंने 20 रन देकर 4 विकेट लिए और भारत की 72 रन की जीत में अहम भूमिका निभाई। इस साल वह अब तक 39 टी20 विकेट ले चुकी हैं। एशियन गेम्स में भी चरणी का प्रदर्शन शानदार रहा। जापान के खिलाफ उन्होंने 10 रन देकर 4 विकेट चटकाए, जबकि श्रीलंका के खिलाफ गोल्ड मेडल मुकाबले में 2 विकेट लिए। भारत ने यह मैच 147 रन से जीतकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। आईसीसी रैंकिंग में श्री चरणी 817 पॉइंट्स के साथ पहले स्थान पर हैं। मेगन शट 806, इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन 802, दक्षिण अफ्रीका की शबनीम इस्माइल 781 और ऑस्ट्रेलिया की शेली निट्स्के 780 पॉइंट्स के साथ उनके पीछे हैं।

# दीपक चाहर के तीन महंगे बैट चोरी, रिंकू का नाम उछला

### क्रिकेटर ने वीडियो जारी कर बैट लौटाने की अपील की

### सोशल मीडिया यूजर्स ने मजाक में रिंकू सिंह को जोड़ा

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** भारतीय क्रिकेटर दीपक चाहर के तीन महंगे क्रिकेट बैट चोरी होने का मामला सोशल मीडिया पर चर्चा में है। चाहर ने सोशल मीडिया पर वीडियो साझा कर बताया कि अभ्यास के दौरान मैदान से उनके तीन बैट चोरी हो गए। उन्होंने तीनों बैट की कुल कीमत करीब डेढ़ लाख रुपये बताई और उन्हें वापस करने वाले व्यक्ति को पैसे देने की बात भी कही। दीपक चाहर ने वीडियो में कहा कि चोरी करने वाले को शायद इन बैट की कीमत का अंदाजा नहीं था। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि अगर बैट चोरी करने वाला व्यक्ति उन्हें वापस कर देता है तो वह उसे पैसे देने के लिए तैयार हैं। चाहर ने यह भी कहा कि उनके पास पुलिस में शिकायत करने समेत कई विकल्प हैं, लेकिन वह पहले बैट वापस मिलने की उम्मीद कर रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद प्रशंसकों और साथी क्रिकेटरों ने पोस्ट पर कई तरह की टिप्पणियां कीं। इसी दौरान एक यूजर ने मजाकिया अंदाज में लिखा कि एक बार रिंकू सिंह से पूछ लेना चाहिए। इसके बाद बैट चोरी के मामले में रिंकू सिंह का नाम सोशल मीडिया पर चर्चा में आ गया। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में रिंकू सिंह पर बैट चोरी का कोई वास्तविक आरोप या पुलिस कार्रवाई सामने नहीं आई है। दीपक के छोटे भाई राहुल चाहर ने भी पोस्ट पर टिप्पणी करते हुए कहा कि इनमें से एक बैट उनका था। अंपायर अनिल चौधरी और तेज गेंदबाज कमलेश नागरकोटी ने भी मजाकिया टिप्पणियां कीं। रिंकू सिंह को साथी क्रिकेटरों से बैट मांगने के लिए सोशल मीडिया पर कई बार चर्चा मिल चुकी है। वहीं दीपक चाहर 2023 के बाद भारतीय टीम से बाहर हैं। उन्होंने भारत के लिए आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 मैच खेला था।

# 13 साल बाद ओटीटी पर आई फिल्म 'शाहिद'

### प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हुई हंसल मेहता की चर्चित फिल्म

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** राजकुमार राव और हंसल मेहता की चर्चित फिल्म 'शाहिद' सिनेमाघरों में रिलीज होने के करीब 13 साल बाद आखिरकार ओटीटी पर आ गई है। साल 2013 में रिलीज हुई यह फिल्म वकील और मानवाधिकार कार्यकर्ता शाहिद आजमी की जिंदगी से प्रेरित थी। फिल्म में राजकुमार राव ने मुख्य भूमिका निभाई थी। रिलीज के बाद फिल्म को समीक्षकों की खूब सराहना मिली थी। 61वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में राजकुमार राव को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और हंसल मेहता को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का सम्मान भी मिला था। अब फिल्म प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रही है। फिल्म की डिजिटल रिलीज के साथ ही इसके लेखक और एडिटर अपूर्व अस्रानी ने 13 साल की देरी पर सवाल उठाया है।

उन्होंने सोशल मीडिया पर फिल्म के ओटीटी पर आने को लेकर प्रतिक्रिया देते हुए पूछा कि आखिर 'अब क्यों?' अस्रानी ने फिल्म की कहानी के साथ-साथ इसके लंबे समय तक डिजिटल प्लेटफॉर्म से दूर रहने पर भी अपनी राय रखी। 'शाहिद' में एक ऐसे वकील की कहानी दिखाई गई है, जो आतंकवाद से जुड़े मामलों में आरोपियों को कानूनी मदद और उचित प्रक्रिया का अधिकार दिलाने के लिए काम करता है।

# श्राद्ध कर्म के दौरान नदी में डूबने से पांच लोगों की मौत

### एक युवक को बचाने उतरे चार अन्य, सभी गहरे पानी में समाए

### पुलिस और गोताखोरों ने शव निकाले, परिवार में मचा कोहराम

**यूनिक समय, झांसी।** जिले के रानीपुर क्षेत्र के देवी सिंह पुरा गांव में मंगलवार को श्राद्ध कर्म के दौरान सुखनई नदी में डूबने से पांच लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। मृतकों में एक 12 वर्षीय किशोर भी शामिल है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और गोताखोरों की टीम मौके पर पहुंची। बताया गया कि परिवार के लोग श्राद्ध कर्म के लिए सुखनई नदी के किनारे पहुंचे थे। इसी दौरान अभिनय तिवारी नदी में नहाते समय गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। उसे बचाने के लिए परिवार के अन्य लोग एक-एक कर नदी में उतर गए। देखते ही देखते सभी गहरे पानी में चले गए और डूब गए। स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। इसके बाद गोताखोरों और ग्रामीणों की मदद से नदी में तलाश शुरू की गई। काफी प्रयास के बाद पांचों को पानी से बाहर निकाला गया। उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने सभी को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान अर्पित (12), अनूप तिवारी (45), अभिनय तिवारी (26), श्रेयांश तिवारी (21) और पुष्कर शुक्ला (23) के रूप में हुई है। बताया गया कि सभी एक ही परिवार से जुड़े थे। हादसे की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली और परिजनों को आवश्यक सहायता का भरोसा दिलाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है।

# सुल्तानपुर में शिक्षक दंपती की बेरहमी से हत्या

### स्कूल परिसर में पत्नी का शव, 150 मीटर दूर मिला पति

विनीता सिंह, मृतक    मुकेश सिंह, मृतक

### फावड़ा और कुल्हाड़ी से वार, चुनावी रंजिश पर जांच जारी

**यूनिक समय, सुल्तानपुर।** कादीपुर कोतवाली क्षेत्र के कुंभी डडिया गांव में सरकारी शिक्षक और ब्लॉक शिक्षक संघ अध्यक्ष मुकेश सिंह (45) तथा उनकी पत्नी विनीता सिंह (43) की हत्या कर दी गई। मंगलवार सुबह दोनों के शव उनके निजी स्कूल परिसर में अलग-अलग स्थानों पर मिले। घटनास्थल से खून से सना फावड़ा, कुल्हाड़ी और चाकू बरामद हुआ है। वारदात का पता सुबह करीब 6:10 बजे लगा, जब स्कूल का बस चालक गाड़ी की चाबी लेने पहुंचा। कमरे में विनीता का शव देखकर उसने स्टाफ को सूचना दी। तलाश करने पर करीब 150 मीटर दूर मुकेश का शव मिला। सूचना पर एसपी विनीत जायसवाल और सीओ कादीपुर विनय गौतम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए हैं। मुकेश खनुहट के कंपोजिट विद्यालय में तैनात थे और वर्ष 2013 से शिक्षक संघ के अध्यक्ष रहे थे। इस बार भी वह संघ का चुनाव लड़ रहे थे। मतदान 30 सितंबर को होना था, लेकिन चुनाव दो दिन पहले स्थगित हो गया। विनीता गांव में निजी स्कूल चलाती थीं और पूर्व में जिला पंचायत चुनाव भी लड़ चुकी थीं। पुलिस हत्या के पीछे चुनावी रंजिश, जमीन विवाद और व्यक्तिगत दुश्मनी समेत कई पहलुओं पर जांच कर रही है। आसपास के लोगों और स्कूल स्टाफ से पूछताछ की जा रही है। दिल्ली विश्वविद्यालय में पढ़ रहा दंपती का इकलौता बेटा भी सुल्तानपुर के लिए रवाना हो चुका है। एसपी ने बताया कि कई पुलिस टीमें गठित कर जांच की जा रही है और जल्द घटना का खुलासा करने का प्रयास है।

# पूर्व आईएएस दिव्या मित्तल ने राजनीति में उतरने का किया ऐलान

### किसी दल से नहीं जुड़ेंगी, जनता के साथ चलने की बात कही

### स्कूल, सड़क, रोजगार और व्यवस्था पर उठाए सवाल

**यूनिक समय, लखनऊ।** पूर्व आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल ने मंगलवार को राजनीति में प्रवेश करने का ऐलान किया। फेसबुक पर जारी वीडियो में उन्होंने कहा कि वह उत्तर प्रदेश में ही रहकर राजनीति करेंगी। उन्होंने किसी राजनीतिक दल से जुड़ने से इनकार करते हुए कहा कि वह अकेले चलेंगी और उन्हें केवल जनता का साथ चाहिए। दिव्या मित्तल ने कहा कि उनका उद्देश्य केवल राजनेताओं को बदलना नहीं, बल्कि राजनीति के कामकाज में बदलाव लाना है। उन्होंने गांवों में स्कूल, सड़क और पुल जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी का मुद्दा उठाया। उन्होंने लहुरियादह क्षेत्र का उदाहरण देते हुए बताया कि एक महिला ने उनसे आगे की कक्षाओं के लिए स्कूल की मांग की थी। स्वीकृति के बावजूद तीन साल बाद भी स्कूल का निर्माण शुरू नहीं होने पर उन्होंने सवाल उठाया। उन्होंने सरकारी जमीन के पट्टे, कथित गलत रिपोर्ट और किसानों-युवाओं की समस्याओं का भी उल्लेख किया। पेपर लीक और रोजगार के भविष्य को लेकर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि वह डरेंगी नहीं और सवाल पूछती रहेंगी। दिव्या 2013 बैच की आईएएस अधिकारी रही हैं। उन्होंने 30 अगस्त को इस्तीफा दिया था, जिसे 14 सितंबर को मंजूरी मिली।

# आगरा में ट्रेन को बेपटरी करने की साजिश

### आगरा में रेलवे ट्रैक पर लकड़ी रखी

### लोको पायलट की सतर्कता से ट्रेन समय रहते रोकी

### जीआरपी ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया

**यूनिक समय, आगरा।** आगरा फोर्ट और ईदगाह रेलवे स्टेशनों के बीच ट्रेन को दुर्घटनाग्रस्त करने की कोशिश का मामला सामने आया है। रावली पुल के पास रेलवे ट्रैक पर लकड़ी का बड़ा टुकड़ा रखा मिला। अजमेर-आगरा फोर्ट इंटरसिटी के लोको पायलट ने समय रहते इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन रोक दी, जिससे बड़ा हादसा टल गया। घटना बुधवार रात करीब 9:33 बजे की है। ट्रेन किलोमीटर संख्या 83/4-ए से गुजर रही थी। लोको पायलट राजेंद्र सिंह और सहायक लोको पायलट रिभुवन सिंह की नजर ट्रैक पर पड़ी लकड़ी पर गई। ट्रेन रुकने के बाद लकड़ी हटाई गई और इसके बाद परिचालन सामान्य किया गया। आरपीएफ आगरा फोर्ट के इंस्पेक्टर प्रियव्रत दहिया की तहरीर पर जीआरपी ने अज्ञात के खिलाफ रेलवे अधिनियम की धारा 150 में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ट्रैक पर लकड़ी रखने वाले की पहचान के लिए जांच कर रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। जीआरपी के अनुसार घटनास्थल के पास मेट्रो निर्माण कार्य चल रहा है और सुरक्षा गार्ड भी तैनात हैं। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

# भाजपा ने एमएलसी चुनाव के छह प्रत्याशी घोषित किए

### वाराणसी स्नातक से केदारनाथ सिंह, मेरठ से दिनेश गोयल मैदान में

### शिक्षक सीटों पर प्रमोद मिश्रा, हरि किशोर और ध्रुव त्रिपाठी

**यूनिक समय, लखनऊ।** उत्तर प्रदेश विधान परिषद की 11 सीटों पर होने वाले द्विवार्षिक चुनाव के लिए भाजपा ने छह और प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। इनमें तीन स्नातक और तीन शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र शामिल हैं। छह नामों के ऐलान के साथ भाजपा ने सभी 11 सीटों के लिए अपने प्रत्याशी घोषित कर दिए हैं। पार्टी ने वाराणसी स्नातक सीट से केदारनाथ सिंह, मेरठ स्नातक से दिनेश गोयल और इलाहाबाद-झांसी स्नातक सीट से अशोक कुमार राठौर को उम्मीदवार बनाया है। शिक्षक सीटों पर वाराणसी से डॉ. प्रमोद मिश्रा, आगरा से इंजीनियर हरि किशोर तिवारी और गोरखपुर-फैजाबाद से ध्रुव त्रिपाठी को टिकट मिला है। विधान परिषद की 11 सीटों के लिए नामांकन की अंतिम तारीख छह अक्टूबर है। सात अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी।

# आगरा में सड़क हादसे में सिपाही की मां की मौत

### सब्जी लेने बाजार जा रही महिला को वाहन ने मारी टक्कर

### सीसीटीवी फुटेज से अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी पुलिस

**यूनिक समय, आगरा।** ट्रांस यमुना क्षेत्र में सोमवार शाम सड़क हादसे में 58 वर्षीय बिटोली देवी की मौत हो गई। वह टेढ़ी बगिया सब्जी मंडी से सब्जी लेने जा रही थीं। रामबाग-टेढ़ी बगिया मार्ग पर हेरिटेज गार्डन के पास सड़क पार करते समय तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में बिटोली देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर उन्हें एसएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में मातम छा गया। बिटोली देवी पुलिस लाइन में तैनात सिपाही सौरभ कुमार की मां थीं। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एसीपी छत्ता श्वेता वर्मा ने बताया कि हादसे के बाद वाहन की पहचान के लिए घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस अज्ञात वाहन और उसके चालक की तलाश में जुटी है।

# मेरठ में मस्जिद के बाहर पाठ के ऐलान से पुलिस अलर्ट

### केसरगंज मंडी में पांच थानों की पुलिस और पीएसी तैनात

### बैरिकेडिंग कर आवाजाही नियंत्रित की अफवाहों पर नजर रखी जा रही है

**यूनिक समय, मेरठ।** सदर थाना क्षेत्र की केसरगंज मंडी स्थित मस्जिद के बाहर हिंदूवादी संगठनों की ओर से हनुमान चालीसा पाठ के ऐलान के बाद पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है। इलाके में पांच थानों के करीब 100 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। पीएसी भी बुलाई गई है। पुलिस ने मस्जिद की ओर जाने वाले रास्तों पर बैरिकेडिंग कर आवाजाही नियंत्रित कर दी है। केसरगंज मंडी में पुलिस लाउडस्पीकर के माध्यम से लोगों से घरों के अंदर रहने और शांति बनाए रखने की अपील कर रही है। प्रवेश मार्गों पर पहचान पत्र देखकर लोगों को जाने दिया जा रहा है। आसपास की कई दुकानों को भी बंद कराया गया है। एसपी सिटी विनायक गोपाल भोसले ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और लोगों से सहयोग की अपील की। विवाद की शुरुआत 10 सितंबर को हुई थी। मस्जिद कमेटी की ओर से ऊपरी मंजिल पर निर्माण कराया जा रहा था। कुछ व्यापारियों ने इसे कथित तौर पर अवैध बताते हुए विरोध किया था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने निर्माण कार्य रुकवा दिया। व्यापारियों ने मस्जिद और आसपास के निर्माण की जांच की मांग की। वहीं मस्जिद कमेटी ने आरोपों को खारिज करते हुए मस्जिद को ऐतिहासिक धरोहर बताया। 13 सितंबर को सांसद अरुण गोविल ने जिलाधिकारी को पत्र भेजकर मामले की जांच की मांग की थी। इसके बाद 28 सितंबर को हिंदू रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष पिंकी चौधरी और ललित शर्मा ने मस्जिद के बाहर हनुमान चालीसा पाठ करने का ऐलान किया। एसपी सिटी ने कहा कि सोशल मीडिया पर नजर रखी जा रही है। किसी को कानून हाथ में लेने की अनुमति नहीं होगी। पुलिस ने लोगों से अपुष्ट सूचनाओं और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है।

# मौसम का बदला मिजाज, कई राज्यों में बारिश और बाढ़

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** देश के कई हिस्सों में सितंबर के अंतिम दिनों में मौसम ने अचानक करवट ले ली है। छत्तीसगढ़ में भारी बारिश के कारण इंद्रावती नदी का जलस्तर 12.39 मीटर पहुंच गया। यह 53 साल का रिकॉर्ड है। इससे पहले 9 जुलाई 1973 को नदी का जलस्तर 12.18 मीटर दर्ज किया गया था। बाढ़ के कारण जगदलपुर के निचले इलाकों में पानी भर गया। सोमवार को नाव और हेलिकॉप्टर की मदद से 833 लोगों को सुरक्षित निकाला गया। जिले में 65

## इंद्रावती ने 53 साल पुराना जलस्तर रिकॉर्ड तोड़ा 833 लोग बचाए गए

## यूपी में घना कोहरा राजस्थान में ओले, पहाड़ों पर बर्फबारी से बढ़ी ठंड

राहत शिविर बनाए गए हैं, जहां करीब 8,894 लोग रह रहे हैं।

राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से जयपुर, बीकानेर और चूरू सहित कई क्षेत्रों में तेज बारिश के साथ ओले गिरे। श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ और बीकानेर में धूलभरी आंधी और घने बादलों के कारण दिन में अंधेरा छा गया। शेखावाटी क्षेत्र में रात का तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया। हालांकि मौसम विभाग ने अगले दो–तीन दिनों में तापमान में तीन से चार डिग्री की बढ़ोतरी की संभावना जताई है। उत्तर प्रदेश में सितंबर के दौरान जनवरी जैसी धुंध देखने को मिली। अमेठी, रामपुर और बदायूं में मंगलवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। दृश्यता बेहद कम होने से वाहन चालकों को परेशानी हुई। प्रदेश में मानसून की विदाई भी शुरू हो चुकी है और पश्चिमी यूपी के कुछ हिस्सों से मानसून लौट गया है।

उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में बारिश तथा ऊं चाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी से ठंड बढ़ गई है। शिमला में न्यूनतम तापमान 6.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। वहीं यूपी की आठ नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। कुशीनगर में गंडक नदी की बाढ़ से करीब 1,400 परिवार प्रभावित हुए हैं।

# चुनाव आयोग विवाद पर सुप्रीम कोर्ट में अगले हफ्ते सुनवाई

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर चल रहा विवाद अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने मामले से जुड़ी नई याचिका को अगले सप्ताह सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई। वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने अदालत में याचिका का उल्लेख करते हुए सवाल उठाया कि क्या मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार अन्य चुनाव आयुक्तों की सहमति के बिना आयोग की ओर से एकतरफा निर्णय ले सकते हैं।

याचिका में दलील दी गई है कि चुनाव आयोग बहु–सदस्यीय संवैधानिक संस्था है और उसके निर्णय सामूहिक रूप से लिए जाने चाहिए। एसआईआर को लेकर भी यह सवाल उठाया गया है कि संबंधित निर्णय आयोग के स्तर पर सर्वसम्मति या बहुमत से लिए गए थे या नहीं।

## सीईसी के अकेले फैसले लेने के अधिकार पर उठे सवाल

## एसआईआर फैसलों को लेकर आयोग ने सर्वसम्मति का दावा किया

विवाद के बीच चुनाव आयोग ने 26 सितंबर को कहा था कि एसआईआर से जुड़े सभी निर्णय तीनों चुनाव आयुक्तों की सर्वसम्मति से लिए गए। आयोग ने आंतरिक मतभेद की खबरों को भी खारिज किया था।

अब सुप्रीम कोर्ट में अगले सप्ताह होने वाली सुनवाई में याचिका में उठाए गए अधिकार और निर्णय प्रक्रिया से जुड़े सवालों पर आगे की कार्यवाही तय होगी।

# दिल्ली में अंतरराज्यीय ड्रग गिरोह का भंडाफोड़

## महिला तस्कर के घर से हेरोइन, नकदी और सोना बरामद

## दिल्ली से राजस्थान तक फैले नेटवर्क में तीन आरोपी गिरफ्तार

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** दिल्ली पुलिस के आउटर नॉर्थ जिले की टीम ने अंतरराज्यीय ड्रग गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, गिरोह दिल्ली से राजस्थान तक हेरोइन की आपूर्ति करता था। कार्रवाई के दौरान 1.204 किलोग्राम हेरोइन और 64.62 लाख रुपये नकद बरामद किए गए।

पुलिस के मुताबिक, महिला आरोपी पार्वती के आवास की तलाशी में 56.69 लाख रुपये नकद, 355 ग्राम सोना और 161 ग्राम चांदी मिली। इसके अलावा चार

संपत्ति रजिस्ट्री के दस्तावेज भी बरामद हुए हैं। पुलिस का कहना है कि ये संपत्तियां कथित तौर पर नशीले पदार्थों की तस्करी से अर्जित धन से खरीदी गई थीं।

जांच के दौरान पुलिस ने दो कारें और सोने–चांदी के आभूषण भी जब्त किए हैं। अधिकारियों के अनुसार, गिरोह का नेटवर्क दिल्ली से राजस्थान तक फैला हुआ था और लंबे समय से हेरोइन की आपूर्ति में सक्रिय था। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर गिरोह से जुड़े अन्य लोगों, नशीले पदार्थों की आपूर्ति के स्रोत और कथित अवैध संपत्तियों की जानकारी जुटा रही है। बरामद संपत्तियों और नकदी के संबंध में भी जांच जारी है।

# चुनाव आयोग को लेकर कांग्रेस का सरकार पर हमला

## खड़गे ने मुख्य चुनाव आयुक्त पर लगाए गंभीर आरोप

## कल दिल्ली में इंडिया ब्लॉक की बैठक, बनेगी रणनीति

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर निशाना साधा है।

मंगलवार को दिल्ली में कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मुख्य चुनाव आयुक्त पर सरकार के दबाव में काम करने का आरोप लगाया और उन्हें पद से हटाने की मांग की।

बैठक में राहुल गांधी ने भी चुनाव व्यवस्था और मतदाता सूची को लेकर सवाल उठाए। कांग्रेस ने कहा कि वह इन मुद्दों को संसद में

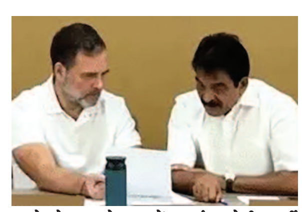

उठाने के साथ देशभर में प्रदर्शन करेगी। पार्टी नेताओं ने मतदाता सूची में बदलाव और चुनाव प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं की जांच की मांग की।

इसी बीच महाराष्ट्र में राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) ने चार अक्टूबर को मुंबई में संयुक्त प्रदर्शन का ऐलान किया है। वहीं, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की कार्यप्रणाली और एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट अगले सप्ताह सुनवाई करेगा। याचिका में आयोग के भीतर निर्णय प्रक्रिया और एसआईआर से जुड़े फैसलों पर सवाल उठाए गए हैं। कांग्रेस समेत विपक्षी दलों की आगामी रणनीति पर बुधवार को दिल्ली में इंडिया ब्लॉक की बैठक प्रस्तावित है।

# पटना में परिचारी अभ्यर्थियों का प्रदर्शन, पुलिस ने रोका

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** बिहार में कार्यालय परिचारी पद के अभ्यर्थियों ने मंगलवार को नियुक्ति की मांग को लेकर पटना में प्रदर्शन किया। गांधी मैदान के गेट नंबर–10 से मुख्यमंत्री आवास की ओर निकले सैकड़ों अभ्यर्थियों को पुलिस ने जेपी गोलंबर के पास रोक दिया। इसके बाद प्रदर्शनकारी आक्रोशित हो गए और कुछ लोग बैरिकेडिंग पर चढ़ गए।

अभ्यर्थियों का कहना है कि वे कई दिनों से गर्दनीबाग में आमरण अनशन कर रहे हैं, लेकिन उनकी मांगों पर सरकार की ओर से कार्रवाई नहीं हुई। प्रदर्शनकारियों ने वर्षों से लंबित नियुक्ति प्रक्रिया जल्द पूरी करने की मांग की।

अभ्यर्थियों के अनुसार, 28 जिलों में कार्यालय परिचारी और परिचारी (विशिष्ट) समूह–'घ' के पदों पर भर्ती के लिए करीब 14–15 वर्ष पहले

## गांधी मैदान से मुख्यमंत्री आवास तक मार्च पर अड़े अभ्यर्थी

## जेपी गोलंबर पर बैरिकेडिंग के बाद प्रदर्शनकारियों ने किया हंगामा

विज्ञापन जारी हुआ था। बिहार कर्मचारी चयन आयोग ने सितंबर 2024 में आठवीं और दसवीं स्तर की प्रतियोगिता परीक्षा आयोजित की थी। इसमें पूर्व के योग्य अभ्यर्थियों समेत 10,784 अभ्यर्थी शामिल हुए थे। प्रदर्शनकारियों का दावा है कि परीक्षा के बाद भी 9,719 योग्य अभ्यर्थियों की नियुक्ति लंबित है। उन्होंने जिलावार नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करने के लिए संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश जारी करने की मांग की है।

# ओडिशा में सरकारी खर्च और योजनाओं पर सीएजी के सवाल

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** ओडिशा सरकार के विभिन्न विभागों के कामकाज और सरकारी धन के इस्तेमाल को लेकर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट में कई अनियमितताएं सामने आई हैं। 31 मार्च 2024 तक की अनुपालन ऑडिट रिपोर्ट में पंचायत, भूमि, वन, सड़क, शिक्षा, सिंचाई और खनन से जुड़े मामलों का उल्लेख है।

रिपोर्ट के अनुसार बरगढ़ और ढेंकानाल की छह ग्राम पंचायतों में करीब 43.30 लाख रुपये की लागत से बनी नौ सौर जलापूर्ति परियोजनाएं बंद मिलीं। इससे करीब 28,820 लोगों को पेयजल सुविधा नहीं मिल सकी। वहीं 25 सरकारी परिसंपत्तियों पर अनधिकृत कब्जे का मामला सामने आया। इनका निर्माण करीब 2.59

करोड़ रुपये में हुआ था।

चार जिलों में 3.30 करोड़ रुपये के 14 कार्य बिना निविदा कराए जाने की बात भी ऑडिट में कही गई है। निमापाड़ा पंचायत समिति में 77.80 लाख रुपये की अप्रदत्त पेंशन राशि अधिकारियों के पास अनधिकृत रूप से रखे जाने का मामला सामने आया।

रिपोर्ट में 668.893 एकड़ सरकारी जमीन पर कब्जे का भी उल्लेख है, जिसकी अनुमानित कीमत 597.87 करोड़ रुपये बताई गई। इसके अलावा वन भूमि के गैर–वन उपयोग, पीएम ग्राम सड़क योजना में रखरखाव की कमी और शिक्षा विभाग में संदिग्ध भुगतानों पर भी सवाल उठाए गए हैं।

## जमीन, खनन, सड़क और शिक्षा विभागों में मिलीं अनियमितताएं

## बिना टेंडर काम, सरकारी जमीन पर कब्जा और संदिग्ध भुगतान

खनन क्षेत्र में पर्यावरणीय मंजूरी और संचालन अनुमति से जुड़े उल्लंघनों का भी उल्लेख है। एक मामले में अतिरिक्त या बिना मंजूरी कोयला उत्पादन से 975.57 करोड़ रुपये की देनदारी बताई गई है। मोटर वाहन मामलों में 640.87 करोड़ रुपये के संभावित जुर्माने की वसूली नहीं होने की बात भी रिपोर्ट में सामने आई है।

# म्यांमार में भीषण हवाई हमले में 49 लोगों की मौत

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** म्यांमार के पश्चिमी रखाइन राज्य में सोमवार को बाजार के पास हुए हवाई हमले में कम से कम 49 लोगों की मौत हो गई और 58 लोग घायल बताए गए हैं। यह हमला क्या उक्ताव टाउनशिप में हुआ, जिस पर जातीय सशस्त्र समूह अराकान आर्मी का नियंत्रण है।

अराकान आर्मी के अनुसार, एक लड़ाकू विमान ने दोपहर के समय स्थानीय बाजार के पास दो बम गिराए। हमले में दुकानदारों, खरीदारों और राहगीरों समेत कई लोग चपेट में आए। घायलों में 22 की हालत गंभीर बताई गई है। बचाव कार्य से

## 58 लोग घायल बताए गए अराकान आर्मी ने जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी

जुड़े अधिकारी वाई हुन आंग ने भी घटनास्थल पर मौजूद कर्मियों के हवाले से हताहतों की संख्या की पुष्टि की है। हालांकि, हमले की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। अराकान आर्मी ने कहा है कि वह हमले के लिए जिम्मेदार लोगों और संगठनों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करेगी। बताया गया कि बाजार रखाइन का प्रमुख थोक केंद्र था, जहां राज्य के विभिन्न हिस्सों से व्यापारी और खरीदार पहुंचते थे।

# यूपीआई शुल्क ने बढ़ाई उलझन ग्राहक–व्यापारी दोनों परेशान

## दो हजार से अधिक भुगतान पर शुल्क की चर्चा से असमंजस

**यूनिक समय, मथुरा।** 15 अक्टूबर से यूपीआई से भुगतान को लेकर बाजार में नई व्यवस्था की चर्चा ने ग्राहकों और व्यापारियों की चिंता बढ़ा दी है। दो हजार रुपये से अधिक के डिजिटल भुगतान पर शुल्क लगाए जाने की बात से बड़े लेनदेन को लेकर असमंजस की स्थिति है। हालांकि प्रस्तावित व्यवस्था में अतिरिक्त शुल्क का भुगतान ग्राहक के बजाय व्यापारी द्वारा किए जाने की बात कही जा रही है, लेकिन व्यापारियों का कहना है कि इससे उनके कारोबार पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ सकता है।

व्यापारियों के अनुसार, कपड़े और इलेक्ट्रॉनिक सामान, खाद्य सामग्री समेत अन्य वस्तुओं की खरीद में बड़े भुगतान सामान्य हैं।

व्यापारियों का कहना है कि यूपीआई ने बाजार में भुगतान को आसान बनाया है। नकदी रखने की जरूरत कम हुई है और छोटे से लेकर बड़े लेनदेन तक डिजिटल माध्यम का इस्तेमाल बढ़ा है। ऐसे में शुल्क की व्यवस्था से ग्राहक भी बड़े भुगतान के समय विकल्प तलाश सकते हैं। कुछ दुकानदारों द्वारा दो हजार रुपये से अधिक का यूपीआई भुगतान लेने में हिचकिचाहट की बात भी सामने आ रही है।

### व्यापारियों ने जताई चिंता

पूर्व पार्षद- व्यापार मंडल के पदाधिकारी प्रदीप अरोड़ा ने कहा कि व्यापारी और ग्राहक को पहले यूपीआई की आदत लगा दी गई है, अब इस तरीके का निर्णय सही नहीं है।

उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल अध्यक्ष जितेंद्र प्रजापति ने कहा कि यूपीआई का इस्तेमाल आम हो चुका है। शुल्क व्यवस्था पर सरकार को नियम पर पुनर्विचार करना चाहिए।

व्यापारी अंकित ने कहा कि डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के साथ उस पर अतिरिक्त बोझ डालने से कारोबार प्रभावित हो सकता है।

व्यापारी प्रियांक मल्होत्रा ने कहा कि यूपीआई से भुगतान आसान है, लेकिन बड़े भुगतान पर शुल्क की व्यवस्था से कारोबारियों को परेशानी होगी।

# चेकिंग बढ़ी तो शराब तस्करों ने बदले अपने रास्ते

**यूनिक समय, मथुरा।** आबकारी और पुलिस विभाग की लगातार चेकिंग से अवैध शराब तस्करों पर दबाव बढ़ा है। कार्रवाई से बचने के लिए तस्करों ने अब अपने पुराने रास्ते छोड़कर नए मार्गों का सहारा लेना शुरू कर दिया है। हाईवे और यमुना एक्सप्रेसवे पर निगरानी बढ़ने के बाद ग्रामीण क्षेत्रों के कच्चे-पक्के रास्तों से वाहनों के गुजरने की जानकारी सामने आ रही है।

हरियाणा और पंजाब से उत्तर प्रदेश समेत बिहार, झारखंड और अन्य राज्यों में अंग्रेजी शराब की तस्करी होती है। दोनों राज्यों में शराब की कीमत अपेक्षाकृत कम होने के कारण तस्कर इसे दूसरे राज्यों में पहुंचाने का प्रयास करते हैं। इसके लिए छोटे-बड़े वाहनों का इस्तेमाल किया जाता है। पुलिस और आबकारी विभाग की चेकिंग के चलते अब तस्करों ने मुख्य मार्गों से दूरी बनानी शुरू कर दी है। हाईवे समेत कई मार्गों पर निर्माण कार्य और बढ़ी

### हाईवे छोड़ ग्रामीण इलाकों के रास्तों से हो रही तस्करी

निगरानी के कारण तस्करों द्वारा वैकल्पिक रास्ते तलाशे जाने की बात सामने आ रही है। ग्रामीण क्षेत्रों के सुनसान कच्चे-पक्के मार्गों से वाहन निकालने से उनकी लोकेशन का पता लगाना चुनौती बन रहा है। यही वजह मानी जा रही है कि हाल के समय में शराब की बड़ी खेप पकड़ने में विभाग को अपेक्षाकृत कम सफलता मिली है।

हालांकि आबकारी और पुलिस विभाग हाईवे और यमुना एक्सप्रेस-वे पर लगातार सर्च अभियान चला रहा है। अधिकारियों का कहना है कि अवैध शराब की तस्करी रोकने के लिए निगरानी और चेकिंग जारी है। ग्रामीण क्षेत्रों के संदिग्ध मार्गों पर भी नजर बढ़ाई जा रही है।

# पितृ पक्ष में रोडवेज की कमाई घटी

### बरसाना की कथा से घाटा पूरा होने की उम्मीद

### श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए बढ़ाई हैं करीब 20 बसें

**यूनिक समय, मथुरा।** पितृ पक्ष के चलते रोडवेज बसों की कमाई में कमी आई है, लेकिन बरसाना में चल रही प्रदीप मिश्रा की कथा रोडवेज के लिए राहत लेकर आती दिख रही है। कथा में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए रोडवेज ने बरसाना रूट पर बसों की संख्या बढ़ा दी है। मंगलवार को श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए करीब 20 अतिरिक्त बसें संचालित की गईं। पहले इस रूट पर बसें करीब 20 मिनट के अंतराल पर रवाना हो रही थीं, लेकिन अब यात्रियों की सुविधा के लिए हर दस मिनट में बस उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। इससे कथा में आने–जाने वाले श्रद्धालुओं को बस के लिए अधिक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। रोडवेज अधिकारियों के अनुसार, पितृ पक्ष के कारण सामान्य दिनों की अपेक्षा यात्रियों की संख्या और आय में कमी आई है। वहीं, बरसाना की कथा के कारण बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। ऐसे में अतिरिक्त बसों के संचालन से यात्रियों को राहत मिलने के साथ रोडवेज की कमाई में भी सुधार की उम्मीद है।

## किशोरी को भगा ले जाने वाला गिरफ्तार

**यूनिक समय, मथुरा।** जैंत पुलिस ने किशोरी को बहला–फुसला कर भगा ले जाने वाले अभियुक्त आकाश निवासी रमपुरा लोहई थाना बसरेहर जिला इटावा को गांव मघेरा चौराहा बाटी रोड से गिरफ्तार किया है।

# वडनगर से काशी जा रही सेवा संकल्प यात्रा का स्वागत

यात्रा का स्वागत करते विधायक पूरन प्रकाश आदि।

मांट क्षेत्र में यात्रा का स्वागत करते विधायक राजेश चौधरी, जिलाध्यक्ष निर्भय पांडेय आदि।

### बल्देव, गोवर्धन, नौहझील और बाजना में उमड़ा कार्यकर्ताओं का उत्साह, पुष्पवर्षा कर किया अभिनंदन

**यूनिक समय, मथुरा।** भाजपा की बड़नगर, गुजरात से वाराणसी तक निकली 'सेवा संकल्प यात्रा' का सोमवार को जनपद में विभिन्न स्थानों पर भव्य स्वागत किया गया। बल्देव, गोवर्धन, नौहझील, बाजना और आसपास के क्षेत्रों में भाजपा कार्यकर्ताओं ने पुष्पवर्षा कर यात्रियों का अभिनंदन किया।

जिले की सीमा स्थित गांठौली के प्रवेश द्वार पर जिला उपाध्यक्ष ज्ञानेंद्र सिंह राणा और युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष यज्ञदत्त कौशिक के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने यात्रा की अगवानी की। यात्रियों को केसरिया साफा पहनाकर और चंदन लगाकर स्वागत किया गया। गोवर्धन दानघाटी मंदिर में गिरिराज जी के दर्शन–पूजन किए गए। यहां जिला कार्यसमिति सदस्य सियाराम शर्मा और गोवर्धन मंडल अध्यक्ष कान्हा शर्मा ने व्यवस्थाओं में सहयोग किया। अड़ींग बाजार में राधाकुंड मंडल अध्यक्ष प्रकाश गौड़ और मंडल महामंत्री कपिल सेठ के नेतृत्व में स्वागत हुआ। बल्देव में विधायक पूरन प्रकाश के नेतृत्व में मुख्य स्वागत कार्यक्रम हुआ। कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों के साथ यात्रा का स्वागत किया, जेसीबी से पुष्पवर्षा कर अभिनंदन किया। इस दौरान पंकज प्रकाश, जिला महामंत्री आकाश चौधरी, भानु प्रताप सिंह, अमन ठाकुर, रमाकांत शर्मा, निहाल सिंह आर्य, मनीषा पाराशर, वीरपाल चौधरी, जगमोहन पाठक और नारायण पांडेय सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वहीं मांट विधानसभा क्षेत्र में श्री झाड़ी हनुमान मंदिर से पदयात्रा शुरू होकर नौहझील चामड़ चौराहा, नौहझील- बाजना तिराहा होते हुए बाजना और कौलाहर पहुंची। विधायक राजेश चौधरी ने यात्रा का स्वागत करते हुए इसे सेवा, संकल्प और राष्ट्र निर्माण का संदेश बताया। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष निर्भय पांडे, मनजीत पोनिया, जीतू चौधरी, कमलकांत, प्रशांत गुप्ता, मनीष जिंदल, देवीराम, राम अवतार, गोपाल सूर्यवंशी, सुभाष चेयरमैन, लोकेंद्र वर्मा, मुकेश मंत्री और हिमांशु गुप्ता सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। यात्रा संचालन में महानगर अध्यक्ष हरीशंकर राजू यादव, संयोजक-जिला महामंत्री कुंज बिहारी चतुर्वेदी, जिला महामंत्री विनीत शर्मा की भूमिका रही।

## जमीन विवाद में धमकी देने का आरोप

**यूनिक समय, छाता।** थाना क्षेत्र के ग्राम नरी निवासी लक्ष्मन ने तीन लोगों के खिलाफ जमीन पर कब्जा करने का प्रयास करने और परिवार को धमकी देने का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है। घटना 28 सितंबर की सुबह करीब आठ बजे ग्राम नरी में हुई। शिकायतकर्ता ने बताया कि गांव में स्थित करीब 220.18 वर्ग मीटर के खाली प्लॉट पर उसका कब्जा है। आरोप है कि राधे, कान्हा और मनोज कुमार आए दिन उससे विवाद करते हैं और उक्त जमीन को अपने कब्जे में लेना चाहते हैं। आरोप है कि आरोपितों ने उसे और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी। उसकी पत्नी और बच्चे प्लॉट पर जाते हैं तो उनके सामने अभद्र हरकतें करने और गाली-गलौज करने का भी आरोप लगाया गया है। शिकायत में बताया गया कि जमीन को लेकर पहले पंचायत भी हो चुकी है, लेकिन विवाद समाप्त नहीं हुआ। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

## फरह में खेत में पानी भरने को लेकर विवाद महिला समेत परिवार से मारपीट

**यूनिक समय, फरह।** थाना क्षेत्र के गांव कोंह में खेत में पानी भरने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। सिकंदर निवासी गांव कोंहा के अनुसार, उनके खेत में धान की फसल खड़ी थी। आरोप है कि गांव के योगेश ने जबरन नहर काटकर खेत में पानी भर दिया, जिससे फसल बर्बाद हो गई। सिकंदर ने बताया कि 27 सितंबर की सुबह करीब 8:30 बजे वह योगेश के घर शिकायत करने पहुंचे। इसी बात को लेकर योगेश, सोनू, अमरनाथ, नीलम और हीरो ने गाली–गलौज शुरू कर दी। कुछ देर बाद सभी लोग हाथों में लाठी-डंडे लेकर उनके घर में घुस आए और उनकी पत्नी रुचि के साथ मारपीट करने लगे। विरोध करने पर सिकंदर और उनके भाई धर्मेंद्र के साथ भी मारपीट की गई। आरोप है कि इसी दौरान योगेश ने आंगन में पड़ी ईंट से रुचि के सिर पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर घायल हो गईं।

## मारपीट में महिला समेत तीन पर मुकदमा, युवक घायल

**यूनिक समय, मथुरा।** कोतवाली क्षेत्र में मारपीट के मामले में पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। घटना 26 सितंबर की शाम करीब 4:30 बजे की बताई गई है। फिरदोस निवासी बद्रीनगर नई बस्ती गोविंद नगर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि फैजान, रेहान और फुरकाना ने उनके पुत्र चांद के साथ मारपीट की। आरोपियों ने लाठी–डंडों और लोहे की सरिया से हमला किया। बेटे को बचाने पहुंची फिरदोस के साथ भी मारपीट की गई। इसके बाद तीनों आरोपियों ने चांद के आगे के दो दांत सरिया मारकर तोड़ दिए। घटना की सूचना 112 नंबर पर दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस के पहुंचने पर आरोपी मौके से फरार हो गए।

## कोसीकलां में पत्नी, नाबालिग बेटे को बहला–फुसलाकर ले जाने का आरोप

**यूनिक समय, कोसीकलां।** थाना क्षेत्र के गांव बठैन खुर्द निवासी राहुल ने एक व्यक्ति पर उसकी पत्नी और छोटे बेटे को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने, घर से सोने-चांदी के आभूषण और नकदी ले जाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। राहुल के अनुसार, 26 सितंबर की शाम करीब चार बजे उसकी पत्नी कृष्णा अपने तीन बच्चों के साथ घर पर थी। इसी दौरान कपिल निवासी थोक बगा गांव उसके घर के पास आया और उसकी पत्नी से संपर्क किया। आरोप है कि वह उसकी पत्नी को बहला–फुसलाकर अपने साथ ले गया। राहुल का कहना है कि उसका सबसे छोटा बेटा दक्ष भी पत्नी के साथ चला गया। जानकारी मिलने पर उसने घर में तलाश की तो सोने का मंगलसूत्र, रानीहार, एक जोड़ी सोने के कुंडल, चांदी की एक जोड़ी तोड़िया, चांदी का पैंडल और 40 हजार रुपये नकद गायब मिले।

## वृंदावन में फ्लैट की देखभाल करने पहुंचे युवक से मारपीट, कब्जे का आरोप

**यूनिक समय, वृंदावन।** थाना में सुमित कुमार ने शिकायत दर्ज कराई है कि वह अपने मित्र के फ्लैट की देखभाल के लिए आया था। मधुवन कॉलोनी स्थित फ्लैट पर पहुंचा तो वहां दो महिलाएं और अज्ञात व्यक्ति मौजूद थे। उनसे हटने के लिए कहने पर गाली–गलौज की गई। 27 सितंबर को करीब 11:30 बजे दोपहर उसके साथ मारपीट की गई। सुमित ने आरोप लगाया कि मारपीट करने वालों में मधु अवस्थी, श्यामानंद पंडित, श्यामानन्द और हरिप्रिया सहित दो अन्य व्यक्ति शामिल थे। सुमित के अनुसार, फ्लैट उसके मित्र मुकेश सुविनिश की मां के नाम पर पंजीकृत था। उन्होंने बताया कि फ्लैट के अंदर सोने के आभूषण, करीब दो किलो चांदी और घरेलू फर्नीचर सहित अन्य सामान भी कब्जा करने वालों ने चोरी कर लिया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

## दहेज की मांग और मारपीट का आरोप तीन के खिलाफ रिपोर्ट

**यूनिक समय, वृंदावन।** थाना कोतवाली में विवाहिता ने ससुराल पक्ष के तीन लोगों के खिलाफ दहेज की मांग, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है। नेहा मित्तल ने बताया कि उनका विवाह अमित अग्रवाल के साथ हिंदू रीति–रिवाज से हुआ था। आरोप है कि विवाह के बाद से ही दहेज और अन्य मांगों को लेकर उन्हें मानसिक-शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाने लगा। नेहा मित्तल का आरोप है कि 26 सितंबर को वह अपना स्त्रीधन और जेवर वापस लेने के लिए वृंदावन पहुंचीं। वहां अमित अग्रवाल, नारायण हरि अग्रवाल और विजयता रानी अग्रवाल ने उनके साथ गाली-गलौज और मारपीट की। शिकायत में थप्पड़ मारने, हाथ पर चोट करने और पेट में घूंसा मारने का भी आरोप लगाया गया है। साथ आए परिजन ने बीच–बचाव कर उन्हें वहां से बाहर निकाला। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।